



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

### प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

६० २९]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई २२, १९७८/आषाढ़ ३१, १९००

No. 29]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 22, 1978/ASADHA 31, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संदर्भ दी जानी है जिससे कि यह प्रता संकेत के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)

## PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम  
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

**General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the  
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central  
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)**

## विधि, न्याय और काम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, २१ मई, १९७८

मांको०नि० ९१४—गाड़ानि, मविदान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाग करने हुए, विधि, न्याय और वस्त्रालय कार्य मंत्रालय, विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग (ममृत 'व' पद) भर्ती नियम, १९७५ में और भाजान वर्तने के लिए निम्नलिखित नियम यन्तरे हैं, प्रथम:—

1. (1) इन नियमों का नाम विधि, न्याय और काम्पनी कार्य मंत्रालय, विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग (ममृत 'व' पद) भर्ती (समोदर्न) नियम, १९७८ है।

(2) ये गजपत में प्रकल्पन की तारीख को दर्शत हैं।

2. विधि, न्याय और काम्पनी कार्य मंत्रालय, विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग (ममृत 'व' पद) भर्ती नियम, १९७५ में—

(i) नियम ४ के साथ निम्नलिखित अनुच्छेद जोड़ा जाएगा, अर्थात् —

“पूर्वु उक्त अनुमूली के नियम ६ में विनियोग अधिकारियों के विनियोग द्वारा गम्भीर गम्भीर घटनाएँ एवं गम्भीर अवैधता के अनुसार, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रश्नों के द्वारा विनियोग के अन्तर्गत से विधियों का जा सकेंगा।”

(ii) नियम ४ के पश्चात निम्नलिखित नया (नियम अंत स्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“एक चपरामी के रूप में नियुक्त व्यक्तियों का दाम गाई गया प्रशिक्षण लेन वा दायरित्व —

इन नियमों के किसी बात के होसे हुए भी, इन नियमों के अंतर्गत चपरामी के दाम में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति तान वर्प का अवधि तक होम गाई का प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

परन्तु महा समादेशक, होमगार्ड किसी व्यक्ति द्वारा प्रशिक्षण के दोगने उम्में प्रशिक्षण संबंधी पार्थ्य सम्पदन और प्रशिक्षण के स्तर को ध्यान में रखते हुए, ऐसी अवधि को बढ़ा कर दो वर्ष कर सकता है।"

(iii) अनुसूची में—

(क) चपरामी के पद से सबधित मद 6 के सामने संभं 11 में "हिन्दी पढ़ने वाले भास्ता" शब्दों के रधान पर "अंग्रेजी या हिन्दी या क्षेत्रीय भास्ता पढ़ने का ज्ञान" शब्द रखे जाएंगे।

(ल) चौकीदार के पद से संबंधित मद 50 अंग्रेजी उम्में भविष्य प्रथिक्षियों के पालनात् निम्ननिम्नित मद और उक्तके प्रथिक्षिया अन्तर्भूति की जाएगी, अज्ञात—

अनुसूची						
1	2	3	4	5	6	7
10. अभियानपाल	1. साधारण केन्द्रीय मेवा मधूह 'घ' (अंग्रेजी- पंक्ति)	210-4-250-द०रो०- 5-270 रु०	अचयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
11. शुष्टकालय सहायक	1. साधारण केन्द्रीय मेवा, मधूह 'घ' (अंग्रेजी- पंक्ति)	190-3-220-द०रो०- 3-232 रु०	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष तक। सरकारी सेवकों की द्या में शिखिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है। प्रायु-सीमा श्रबधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी जिस तक रेजिगर कायालय में नाम भेजने के लिए कहा गया है।		किसी मान्यता प्राप्त विभालय से मिहिल रकूल स्तर उत्तीर्ण हो।
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रायन्ति द्वारा	विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग में दफनरी की ओर्णी में कार्य कर रहे ऐसे व्यक्तियों की प्रोत्तरी द्वारा, जिन्होंने उम्में ओर्णी में कम से कम 3 वर्ष सेवा को हो और जिन्होंने किसी मान्यताप्राप्त विभालय में मिहिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण किया हो।	1. अध्यक्ष—उप सचिव लागू नहीं होता (स्थापन) विधि कार्य विभाग	2. सदस्य—अवर सचिव (प्रशासन) विधि कार्य विभाग	3. सदस्य—अवर सचिव (प्रशासन) विधायी विभाग
शैक्षिक अर्हता—हाँ दो वर्ष आप—नहीं	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो मकाने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो मकाने पर सीधी भर्ती द्वारा।		1. अध्यक्ष—उप सचिव लागू नहीं होता (स्थापन) विधि कार्य विभाग	2. सदस्य—अवर सचिव (प्रशासन) विधि कार्य विभाग	3. सदस्य—अवर सचिव (प्रशासन) विधायी विभाग

1

2

3

4

5

6

7

12 न्यायालय सर्वेश  
आषाढ़4 माध्यारण केन्द्रीय सेवा,  
ममूह 'घ' (प्रशासन-  
परिवर्तन)1963-220-द०गं०- लागू नहीं होता  
3-232 रु.18 और 25 वर्ष तक। किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से मिडिल  
सर्कारी सेवकों की स्कूल स्तर उत्तीर्ण हो।  
इसमें प्राथित करके 35 वर्ष तक  
की जा सकती  
है। आयु-सीमा  
अवधारित करने  
की निषर्यक तारीख  
वह नारीच होगी।  
जिस तक रोटपार  
फार्मलिय से नाम  
भेजने के लिए कहा  
गया है।

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता

दो वर्ष

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो  
सकते पर सीधी भर्ती द्वारा।स्थानान्तरण :  
ऐसे चपरासी की श्रेणी से जिन्होंने  
किसी मान्यताप्राप्त विद्यालय  
में मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण  
किया हो।

1. प्रधानमंत्री—उप सचिव लागू नहीं होता।  
(स्थान) विधि कार्य  
विभाग
2. सदस्य—प्रबल सचिव  
(प्रशासन) विधि कार्य  
विभाग
3. सदस्य—प्रबल सचिव  
(प्रशासन) विधारी  
विभाग

[का० सं० ए-१२०१८(१)/७५-प्रशासन II (विंका०)]  
जगदीश चन्द्र, प्रबल सचिव

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 24th May, 1978

**G.S.R. 914.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Department of Legal Affairs and Legislative Department (Group D posts) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Department of Legal Affairs and Legislative Department (Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Department of Legal Affairs and Legislative Department (Group D posts) Recruitment Rules, 1975,

(i) to rule 4, the following proviso shall be added, namely :—

"Provided that the upper age-limit, specified in column 6 of the said Schedule, may be relaxed in case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special

categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.";

(ii) after rule 4, the following new rule shall be inserted, namely :—

"4A. Liability of persons appointed as peons to undergo training as Home Guards :—

Notwithstanding any thing contained in these rules, every person appointed as a peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years :

Provided that the Commandant General, Home Guards, may having regard to the performance of and standard of training achieved by, any person during the period of training, reduce such period to two years.";

(iii) In the Schedule,

(a) against item 6, relating to the post of peon, in column 11, for the words "ability to read Hindi"; the words "ability to read either English or Hindi or regional language" shall be substituted ;

(b) after item No. 9 relating to the post of Watchman and the entries relating thereto, the following items and entries thereof shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
10. Record Keeper	I	General Central Service Group D (Non-Gazetted).	Rs. 210-4-250-I.B.-5-270.	Non-Selection.	Not Applicable.	Not applicable
11. Library Attendant	I	General Central Servic Group (Non-Gazetted)	Rs. 196-3-220-E. B. 3-232	Not Applicable.	18 to 25 years Relaxable up to 35 years in case of Govt. Servants. The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange are asked to submit name.	Pass in the middle School Standard from recognised school.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	By promotion.	By promotion of persons from the grade of daftry working in the Department of Legal Affairs and the Legislative Department who have rendered not less than 3 years service in that grade and who have passed in the Middle School Standard from a recognised School.	Chairman :	
				1. Deputy Secretary (Establishment) Department of Legal Affairs.	Not applicable
				Member :	
				2. Under Secretary (Administration) Department of Legal Affairs.	
				Member :	
				3. Under Secretary (Administration) Legislative Department.	
Educational qualification-Yes,	Two years.	By transfer failing which by the direct recruitment.	11. By transfer failing which by direct recruitment.	Chairman :	Not applicable.
Age—No.				1. Deputy Secretary (Establishment).	
				Member :	
				2. Under Secretary (Administration) Department of Legal Affairs.	
				Member :	
				3. Under Secretary (Administration) Legislative Department.	

[भाग II-खण्ड 3 (i)]		भारत का राजपत्र : जूलाई 22, 1978/आषाढ़ 31, 1900					1665
1	2	3	4	5	6	7	
12 Court Messenger.	"	General Central Service Group D (Non Gazetted)	Rs. 196-3-220 E.B.- 3-232	Not applicable	18 to 25 years, Pass in the Middle School Relaxable upto 35 years in case of Government Servants. The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit names.		
8	9	10		11	12	13	
Not applicable.	Two years.	By transfer failing which by direct recruitment.	12. Transfer : "From the Grade of Peon who have passed the middle School Standard from a recognised School".	Chairman : 1. Deputy Secretary (Establishment)  Member : 2. Under Secretary (Administration), Department of Legal Affairs.  Member : 3. Under Secretary (Administration) Legislative Department	Not applicable		

[File No. A-12018(1)/75-Adm.II (LA)]  
JAGDISH CHANDRA, Under Sec.

New Delhi, the 4th July, 1978

**G.S.R. 915.**—In exercise of the powers conferred by clause(a) of rule 8B or Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Law (Department of Legal Affairs) No. G.S.R. 1412, dated the 25th November, 1960, namely:—

In the Schedule to the said notification, in item 7 relating to Maharashtra, against sub-item(a) relating to the High Court (Appellate Side), in column (2), for the existing entry (iii), the following shall be substituted, namely:—

"(iii) (क) श्री पी० जी० पालशिकर,  
केन्द्रीय सरकारी स्थायी काउसेल,  
मुम्बई उच्च न्यायालय, नागपुर न्यायपीठ,  
नागपुर।  
(ख) श्री आर० आर० वेणांडे,  
प्राप्त केन्द्रीय सरकार स्थायी काउसेल,  
मुम्बई उच्च न्यायालय, नागपुर न्यायपीठ,  
नागपुर।"

यह अधिसूचना 15 जून, 1978 के प्रवृत्त होगी।

[फा० सं० 23(2)/77-न्यायिक]  
जी० जी० जी० कृष्णामूर्ति, आपर विधिक सलाहकार

2. This notification shall come into force with effect from the 15th day of June, 1978.

[No. F. 23(2)/77-Judl.]  
G. V. G. KRISHNAMURTHY, Additional Legal Adviser

## गृह मंत्रालय

(कामिन श्री प्रधानमन्त्री संघार विभाग)

नई दिल्ली, 5 जून 1978

**सांकेतिक 916.**—राष्ट्रपति, सर्वोच्च के अन्तर्गत 309 के परन्तुके द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं।

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सचिवालय सेवा (सूचीय संशोधन) नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को पक्का होंगे।
2. केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम, 1962 से,—
- (क) नियम 12 के उपनियम (2) के तहत परन्तुक में 'छह वर्ष की सेवा' शब्दों के स्थान पर, वे जहाँ कहीं भी आते हों, 'छह वर्ष की अनुमोदित सेवा' प्रदद रखे जायेंगे;
- (ख) नियम 13 के उपनियम (2) के खण्ड (क) के प्रथम परन्तुक में 'पांच वर्ष की सेवा' शब्दों के स्थान पर, वे जहाँ कहीं भी आते हों, 'पांच वर्ष की अनुमोदित सेवा' प्रदद रखे जायेंगे;
- (ग) चौथी अनुसूची के विनियम 2 के खण्ड (1) के पंक्ति (क) के प्रथम परन्तुक में 'पांच वर्ष की सेवा' शब्दों के स्थान पर, वे जहाँ कहीं भी आते हों, 'पांच वर्ष की अनुमोदित सेवा' प्रदद रखे जायेंगे।

[मंजुआ 8/10/78-कौ. म० (1)]

कौ. व० नायर, अवर सचिव।

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 5th July, 1978

**G.S.R. 916.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Service Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Secretariat Service (Third Amendment) Rules, 1978.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Central Secretariat Service Rules, 1962:—
  - (a) in the third proviso to sub-rule (2) of rule 12, for the words "six years' service" wherever they occur, the words "six years' approved Service" shall be substituted;
  - (b) in the first proviso to clause (a) of sub-rule (2) of rule 13, for the words "five years' service" wherever they occur, the words "five years' approved service", shall be substituted;
  - (c) in the proviso to paragraph (a) of clause (1) of regulation 2 of the Fourth Schedule, for the words "five years' service", wherever, they occur, the words "five years' approved service", shall be substituted.

[No. 8/10/78-CS(I)]

K. B. NAIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जून 1978

सांकेतिक 917.—केन्द्रीय सचिवालय सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 9 के उपनियम (1) के साथ गठित अधिकार भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 वा 61) की धारा 3 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार तथा भूतकाल में आदेश दिये गए प्रश्नात्, भारतीय पुलिस सेवा (प्रान्तिक द्वारा नियुक्त) विनियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाते हैं।

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय पुलिस सेवा (प्रान्तिक द्वारा नियुक्त) संशोधन विनियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रयुत होंगे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (प्रान्तिक द्वारा नियुक्त) विनियम, 1955 में जम्मू और कश्मीर में संविधान ग्रामिण के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्नात् रखी जाएँगी, अर्थात्,—

"जम्मू और कश्मीर

(1) सरकार के मुख्य मंत्रिव

(2) सरकार के अंतर नृत्य संनिव

(3) जैष्ठनम भूडन आपुक्त

(4) उल्लम्प मठान्तीक्ष्म

(5) भारत सरकार का एक नाम निर्दोषिती जो समुक्त सचिव से नाचे के रैक का न हो।"

[No. 11039/5/77-प्र०मा०म० (I)]

आ० प० कौ. नायर, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th July, 1978

**G.S.R. 917.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1) of rule 9 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the State Government of Jammu and Kashmir and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Police Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Police Service (Appointment by Promotion).....Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Police Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955, for the entries relating to the State of Jammu and Kashmir, the following entries shall be substituted, namely:—

"Jammu and Kashmir (1) Chief Secretary to the Government.

(2) Additional Chief Secretary to the Government.

(3) Senior-most Divisional Commissioner.

(4) Inspector-General of Police.

(5) A nominee of the Government of India not below the rank of a Joint Secretary."

[No. 11039/5/77-AIS(I)]

O. P. KAPAHJI, Desk Officer

नई दिल्ली, 5 जूलाई, 1978

सांकेतिकों 918.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय प्रशासनिक सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 8 के उपनियम (1) के साथ पठित अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध राज्य सरकारों से नथा मध्य लोक सेवा आयोग से पारामर्श करने के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा (प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति) तृतीय संशोधन विनियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 भारतीय प्रशासनिक सेवा (प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के विनियम 7 में उप विनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“(5) चयन सूची में सम्मिलित प्रत्येक व्यक्ति, जिसने सेवा में नियुक्ति के समय 52 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं कर ली है, लाल बहादुर शास्त्रीय प्रशासनिक अकादमी, राज्य प्रशिक्षण संस्थानों और देश में स्थापित अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में ऐसा अवधि तक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा जो केन्द्रीय सरकार आवश्यक मानती है।”

[मंदा 11037/6/77-प्रभागमें (3)]

New Delhi, the 5th July, 1978

**G.S.R. 918.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All-India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1) of rule 8 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954, the Central Government, after consultation with the Government of the States concerned and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) 3rd Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In regulation 7 of the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955, for Sub-regulation (5), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(5) Every person included in the eSelect List who has not attained the age of 52 years on appointment to the Service shall undergo such training in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, the State training institutions and other established training institutions in the country for such period as the Central Government may consider necessary.”

[No. 11037/6/77-AIS(III)]

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1978

सांकेतिकों 919.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय प्रशासनिक सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 8 के उपनियम (2) के साथ पठित अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध राज्य सरकारों से नथा मध्य लोक सेवा आयोग से पारामर्श करने के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (चयन द्वारा नियुक्ति) संशोधन विनियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (चयन द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1956 के विनियम 3 में, उपविनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उप विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“(5) ऐसा प्रयोक्ता व्यक्ति, जिसकी चयन समिति ने सेवा में नियुक्ति के लिए उपायकृत होने की सिफारिश कर दी है, और जिसने ऐसी नियुक्ति के समय 52 वर्ष की आयु पूरी नहीं कर ली है, लाल बहादुर शास्त्रीय प्रशासनिक अकादमी, राज्य प्रशिक्षण संस्थानों, और अन्य स्थापित प्रशिक्षण संस्थानों में ऐसी प्रवृत्ति तक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा, और केन्द्रीय सरकार यावधान समझे।”

[मंदा 11037/6/77-प्रभागमें (3)]

New Delhi, the 6th July, 1978

**G.S.R. 919.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (2) of rule 8 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954, the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Appointed by Selection) Regulations, 1956, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Appointment by Selection) Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In regulation 3 of the Indian Administrative Service (Appointment by Selection) Regulations, 1956, for sub-regulation (5), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(5) Every person recommended by the Selection Committee as suitable for appointment to the Service who has not attained the age of 52 years on such appointment shall undergo such training in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, the State training institutions and other established training institutions in the country for such period as the Central Government may consider necessary.”

[No. 11037/6/77-AIS(III)]

नई दिल्ली, 10 जूलाई, 1978

सांकेतिकों 920.—केन्द्रीय सरकार, अधिकृत भारतीय सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध राज्य सरकारों से पारामर्श करने के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिवीक्षा) नियम बनाती है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 5 में, उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"(2) नियम 3 के उत्तराधि (2) में नियुक्ति परिवीक्षाधीन संस्कृति, जिसने सेवा में नियुक्ति के समय 52 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं कर रखी है, और जिसने ऐसी नियुक्ति में पूर्ण भारतीय प्रशासनिक सेवा (भारतीय सेवा नियुक्ति) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (5) या भारतीय प्रशासनिक सेवा (नश्वद द्वारा नियुक्त) विनियम, 1956 में विनियम 3 के उप उपविनियम (5) के अधीन विविध प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है, अकाउंट में, राज्य प्रशिक्षण सम्पादनों और देश के विविध स्थापित ग्राम प्रशिक्षण सम्पादनों में ऐसी अवधि तक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा जो केवलीय सरकार आकृष्ट कर सके।"

[मंड़ा 11037/6/77-प्र०भा०म० (3)]

आग्रहालूक अधिकारी, अधिकारी, मंड़ा

New Delhi, the 10th July, 1978

**G.S.R. 920.**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Probation) Rules, 1954, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Administrative Service (Probation) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 5 of the Indian Administrative Service (Probation) Rules, 1954, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(2) A probationer referred to in sub-rule (2) of rule 3, who has not attained the age of 52 years on appointment to the Service, and who has not already undergone the training prescribed under sub-regulation (5) of regulation 7 of the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955 or sub-regulation (5) or regulation 3 of the Indian Administrative Service (Appointment by Selection) Regulations, 1956 before such appointment, shall undergo such training in the Academy, the State training Institutions and other established training institutions in the country for such period as the Central Government may consider necessary.

[No. 11037/6/77-AIS(III)]

R. L. AGGARWAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1978

**सा० का० नि० 921—**:भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम, 4 के उप नियम (2) के प्रथम परतुक और उपनियम (1) के माय पठिन, अधिकारी भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केवल भारतीय सरकार, पंजाब सरकार के परामर्श से, भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संस्था का नियन) विनियम, 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संस्था का विनियम) दसवां संशोधन विनियम, 1978 है।

(2) ये विनियम सरकारी गाजेट में प्रकाशित होने की तारीख से लाग होंगे।

2. भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग क्षय का नियन) विनियम, 1955 की अनुमूली में 'पंजाब—सीरिक' के अधीन 'पंजाब के सामने तत्स्थानी पद 'वित आयुक्त (राजस्व)' तथा 'वित आयुक्त (कर)' के स्थान पर 'वित आयुक्त-2' प्रति स्थापित किया जाये।

[मंड़ा 11030/20/78-प्र०भा०म०II]

New Delhi, the 7th July, 1978

**G.S.R. 921.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1), and the first proviso to sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Punjab hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Tenth Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 against the heading Punjab—Post under the Government of Punjab for the entries 'Financial Commissioner (Revenue)' and 'Financial Commissioner (Taxation)' the following entry shall be substituted, namely:—

'Financial Commissioners—2'.

[No. 11030/20/78-AIS(II)]

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1978

**सा० का० नि० 922—**:अधिकारी भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केवलीय सरकार संवधित राज्य सरकारों के परामर्श से अधिकारी भारतीय सेवा (मूल्य एवं सेवा नियन्त्रित प्रशिक्षण) नियम, 1958 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन विनियमों का नाम अधिकारी भारतीय सेवा (मूल्य एवं सेवा नियन्त्रित प्रशिक्षण) पांचवां संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये विनियम सरकारी गाजेट में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. अधिकारी भारतीय सेवा (मूल्य एवं सेवा नियन्त्रित प्रशिक्षण) नियम, 1958 के नियम 6 के उप-नियम 2, में "उसे की जावेगी" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्दों को रखा जाएगा:—

"उसे उस सरकार द्वारा मंजूर किया जाएगा, जिसने ऐसी कार्यकारी प्रारम्भ की थी।"

[मंड़ा 25011/30/77-प्र०भा०म० (II)]

New Delhi, the 10th July, 1978

**G.S.R. 922.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958, namely:—

1. (1) These rules may be called the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Fifth Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In sub-rule (2) of rule 6 of the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958, for the words "he shall be paid", the following words shall be substituted, namely:—

"he shall be sanctioned by the Government which instituted such proceedings."

[No. 25011/30/77-AIS(II)]

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1978

सांका० नि० 923—भारतीय प्रशासन मेवा (वेतन) नियम, 1951 के नियम 11 के साथ पहिल अधिकार भारतीय प्रशासन मेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पंजाब सरकार के परामर्श से भारतीय प्रशासन मेवा (वेतन) नियम 1954 में और प्राप्त गंशोधन करने के लिए एवं द्वारा नियमनिवित नियम बनाती है, अधिनि०—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासन मेवा वेतन नियम छठवां मंशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय प्रशासन मेवा (वेतन) नियम 1954 के साथ सलग अन्तर्वचक III-क में—राज्य सरकारों के अधीन भारतीय प्रशासन मेवा के समय वेतनमान से अधिक वेतन वाले पद “पीरिंक के अधीन” पंजाब प्रविष्ट के आगे नस्थानी पद “वित्त आयुक्त राजस्व” और “वित्त आयुक्त कर” के स्थान पर “वित्त आयुक्त” प्रतिस्थापित किया जाये।

[संच्या 11030/20/78-प्र० भा० स० (II)]

कृष्ण लाल नेहीं अवृत्र मंजिष्ठ

New Delhi, the 13th July, 1978

**G.S.R. 923.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951) read with rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Punjab hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Administrative Service (Pay) Sixth Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954,

(a) In 'Schedule—III-A-Posts carrying pay above the time scale in the Indian Administrative Service under the State Governments' in the Table, against "Punjab" occurring in the first column and the corresponding entries in the second and third columns, the entry "Financial Commissioner" shall be substituted for the entries "Financial Commissioner (Taxation)" and "Financial Commissioner (Revenue)".

[No. 11030/20/78-AIS(II)]

K. L. Negi, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1978

सांका० नि० 924—अंतर्वचक भारतीय मेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्ध राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात्, अधिक भारतीय मेवा (मूल तथा मेवा नियन्त्रित) प्रस्तुतियां नियम, 1958 में और मंशोधन करने के लिए नियमनिवित नियम बनाती है, अधिनि०—

2. (1) इन नियमों का नाम अधिक भारतीय मेवा (मूल मेवा नियन्त्रित प्रस्तुतियां) चतुर्थ मंशोधन नियम, 1978 है।

384 GI/78—2

(2) ये नियम गजपत्र में काशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. अधिक भारतीय मेवा (मूल तथा मेवा नियन्त्रित प्रस्तुतियां) नियम, 1958 में, नियम 16क के द्वारा विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर नियमनिवित प्रविष्टियों द्वारा जाग्री, अधिनि०—

"15-५ जन्मनियित की स्वीकृति

(1) मेवा के सबस्य को अधिवर्पिना यी तारीख अवधारित करने के प्रश्नों के लिए ऐसी तारीख की गणना उम्मीद तारीख के प्रति निर्देश स की जाएगी जो केन्द्रीय सरकार ने इस नियम के अधीन स्वीकृत की हो।

(2) ऐसे व्यक्ति के मवंद में जिसकी अधिक भारतीय मेवा (मूल तथा मेवा नियन्त्रित) मंशोधन नियम, 1971 के प्रारम्भ के पश्चात्—

(क) भारतीय प्रशासनिक मेवा (भर्ती) नियम, 1954 के

नियम 4 के उपनियम (1) के खण्ड (घ) और खण्ड

(क) के अधीन भारतीय प्रशासनिक मेवा में, या

(घ) भारतीय पुलिस मेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 4 के उपनियम (1) के खण्ड (क) या खण्ड (कह) के अधीन भारतीय पुलिस मेवा में, या

(ग) भारतीय धन मेवा (भर्ती) नियम, 1966 के नियम 4 के उपनियम (2) के खण्ड (क) या खण्ड (कह) के अधीन भारतीय धन मेवा में, नियुक्ति की गई है; ऐसे व्यक्ति द्वारा मेवा में भर्ती के लिए दिए गए अनिवार्य पत्र में घोषित जन्म तारीख केन्द्रीय सरकार द्वारा उसकी जन्म तारीख के रूप में स्वीकृत की जाएगी।

(3) ऐसे व्यक्ति की वापर जिसे उपनियम (2) लागू नहीं होता है, सम्बन्ध सरकार द्वारा रखी गई उसकी मध्य पुस्तिका या अन्य सम्बन्ध सरकारी वस्त्रावर्जी में अधिनिवित जन्म तारीख केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे व्यक्ति को जन्म तारीख के रूप में स्वीकृत की जाएगी।

(4) केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकृत जन्म तारीख में तबके विवाय कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा जब कि यह मिल नहीं कर दिया जाता कि उपनियम (2) या (3) के अधीन जन्म तारीख स्वीकृत करने समय कोई मद्दतावी लिपिकीय लूटि हो गई थी।

4. नियम 16व और उसके नीचे की प्रविष्टियों की निकाल दिया जाएगा।

[सं. 25015/7/77-प्र० भा० स० (II)]

वी० के० चैरियन, इंस्क्रीप्शन अधिकारी

New Delhi, the 7th July, 1978

**G.S.R. 924.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the State concerned hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958, namely:—

2. (1) These rules may be called the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Fourth (Amendment) Rules, 1978.

(2) These rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958, for the existing entries against rule 16-A, the following entries shall be substituted namely:—

"16-A Acceptance of date of birth:

(1) For the purpose of determination of the date of superannuation of a member of the service, such

date shall be calculated with reference to the date of his birth as accepted by the Central Government under this rule.

- (2) In relation of a person appointed, after the commencement of the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Amendments Rules, 1971.
- (3) The Indian Administrative Service under Clause (a) or clause (aa) of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954; or
- (b) the Indian Police Service under clause (a) or clause (aa) of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954; or
- (c) the Indian Forest Service under clause (a) or clause (aa) of sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Forest Service (Recruitment) Rules, 1966.

The date of birth as declared by such person in the application for recruitment to the service shall be accepted by the Central Government as the date of birth of such person.

- (3) In relation to a person to whom sub-rule (2) does not apply, the date of birth as recorded in the service book or other similar official document maintained by the concerned government shall be accepted by the Central Government, as the date of birth of such person.
- (4) The date of birth as accepted by the Central Government shall not be subject to any alteration except where it is established that a bona-fide clerical mistake has been committed in accepting the date of birth under sub-rule (2) or (3)."

4. Rule 16-B and existing entries thereunder shall be deleted.

[No. 25015/7/77-AIS(II)]

V. K. CHERIAN, Desk Officer

### वित्त मंत्रालय

(वयस्था विभाग)

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1978

सांकेतिको १२५—गान्धीनि, संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय मिविल लेखा सेवा (ममूह 'ग') में भर्ती को विनियमित करने के लिए निम्ननिबित्त नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मिविल लेखा सेवा (ममूह 'ग') भर्ती नियम, 1978 है।

(2) ये 1-4-1976 को प्रत्यक्ष हुए ममक्षे जाएंगे।

2. परिधावाएँ :— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (क) "नियुक्ति प्राधिकारी" में किसी श्रेणी के संबंध में वह प्राधिकारी अभिषेत है जिसे केन्द्रीय मिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के अधीन उस श्रेणी में नियुक्त करने के लिए मशक्त किया गया है;
- (ख) "काउर" से इन नियमों की अनुसूची 'क' में विनिर्दिष्ट किसी मंत्रालय में सेवा की प्राधिकृत श्रेणियों में पद अभिषेत है;
- (ग) "सीधी भर्ती आवे व्यक्ति" से ऐसा व्यक्ति अभिषेत है, जिसे इन नियमों में उपवधित रूप से खुले चयन के माध्यम से किसी पद पर भर्ती किया गया है;

(ज) "प्रादेशिक लेखाकार" से ऐसा व्यक्ति अभिषेत है जिसे भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग द्वारा संचालित प्रादेशिक लेखाकार प्रारंभिक भर्ती परीक्षा/प्रादेशिक परीक्षा में प्रहसन करने के पश्चात उस रूप में नियुक्त किया गया है;

(झ) "सरकार" से भारत सरकार का विन मंत्रालय अभिषेत है;

(ञ) "मंत्रालय" में भारत सरकार का मंत्रालय अभिषेत है और उसमें इस नियम की अनुसूची 'क' में वह विनिर्दिष्ट मंत्रालय का कोई विभाग या अन्य कार्यालय सम्मिलित है;

(छ) "जोड़ता की रेंज" से किसी श्रेणी के संबंध में वह रेंज अभिषेत है जो सरकार द्वारा, प्रोफेशन के प्रयोगों के लिए उस श्रेणी की जोड़ता सूची में विनिर्दिष्ट की गई है;

(अ) "सेवा" से केन्द्रीय लेखा सेवा (ममूह 'ग') अभिषेत है।

3. सेवा का प्रारम्भिक गठन और वर्गीकरण :

(i) सेवा का गठन प्रारम्भसः—

(क) भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग ;

(ख) ममूह संघाय और लेखा अधिकारी के संगठन ;

(ग) मंत्रालयों से, उस विस्तार तक और ऐसे निबन्धमों और घटाई पर जो सरकार इस बारे में अधिकथित करे, व्यक्तियों के स्थायी स्थानान्तरण द्वारा किया जाएगा।

(ii) प्रारम्भिक गठन तक पूर्ण समझा जाएगा जब उस प्रभाव भी अधिसूचना सरकार द्वारा जारी की जाए।

(iii) सेवा को केन्द्रीय विविल लेखा सेवा ममूह 'ग' लिपिक वर्गीकरण-प्रराजपत्रित के रूप में वर्णित किया जाएगा।

4. सेवा की श्रेणियां :

(i) सेवा में निम्नलिखित श्रेणियां होंगी, प्रथाः—

(क) निम्नश्रेणी लिपिक 260-6-290-द०रो०-6-326-8-366  
द०रो०-8-390-400 रु

(ख) कनिष्ठ लेखाकार 330-10-380-द०रो०-12-500-द०रो०-15-560 रु

(ग) उपेष्ठ लेखाकार 425-15-560-द०रो०-20-640 रु

(घ) कनिष्ठ लेखा अधिकारी 500-20-700-द०रो०-25-900 रु

(क) आमूलिपिक (i) 550-750 रु

(ii) 425-15-500-द०रो०-15-560-20-700-द०रो०-25-800 रु (केवल मुद्रायालयों के लिए)

(iii) 330-10-380-द०रो०-12-500-द०रो०-15-560 रु

(च) प्रादेशिक लेखाकार 425-15-500-द०रो०-15-560  
20-640-द०रो०-20-700-25-750 रु

(ज) प्रादेशिक लेखाकार

चयन श्रेणी 550-20-650-25-800 रु

(ii) प्रारम्भिक गठन के समय प्रथेक काढ़र की सख्ता वह होगी जो इन नियमों की अनुसूची 'क' में वर्णित है।

परन्तु यदि मरकार का यह समाधान हो गया है कि लोक हित में प्रेरणा करना आवश्यक और समीक्षीय है तो वह समय-समय पर—

- (क) ऐसे नए काउंटर बना सकेगी, जो वह ठीक समझे;
- (ख) ऐसे परिवर्तन, फेरफार और अन्य उपायों, जिसमें काउंटर की मद्दा में तबदीली सम्मिलित है, कर सकेगी जो वह ठीक समझे;
- (ग) दो या दो से अधिक काउंटरों को आमंत्रित कर सकेगी या एक या एक से अधिक काउंटरों को उतनी काउंटर संख्या में विभाजित कर सकेगी जो वह ठीक समझे।

5. सेवा का भावी इन्तरक्षण:—सेवा के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् सेवा की विभिन्न श्रेणियों में रिक्तियाँ की आगे भर्ती निम्नलिखित रौति से की जाएँगी; अर्थात्

- (i) निम्नश्रेणी लिपिकों को श्रेणी में भर्ती निम्नलिखित रौति में की जाएँगी
- (क) काउंटर में पांच प्रतिशत रिक्तियाँ ऐसे समूह 'ब' कर्मचारियों में से प्रोन्टिंट्रारा भरी जाएँगी, जिन्होंने विभागीकृत लेखा कार्यालयों में मंबंधित काउंटर के प्रारम्भिक गठन के भाग के रूप में सेवारम्भ की हो और जिन्होंने पांच वर्ष सेवा की हो तथा जो न्यूनतम शैक्षिक अर्हता, अर्थात् मीट्रिकलेशन या सम-तुल्य परीक्षा, की प्रेक्षा पूरी करते हों और कर्मचारियवृद्ध चयन आयोग द्वारा संचालित की जाने वाली विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा उत्तीर्ण करते।
- (ख) प्रत्येक काउंटर में दस प्रतिशत रिक्तियाँ ऐसे समूह 'ब' कर्मचारियों में से प्रोन्टिंट्रारा भरी जाएँगी जिन्होंने विभागीकृत लेखा कार्यालयों में, उसके प्रारम्भिक गठन के भाग के रूप में सेवारम्भ की हो और जिन्होंने 7 वर्ष सेवा की हो और जिन्होंने कर्मचारियवृद्ध चयन आयोग द्वारा संचालित की जाने वाली विभागीय अर्हक परीक्षा, जिसमें तीन बार में अधिक बैठने की अनुमति नहीं दी जाएँगी, उत्तीर्ण करती होंगी।
- (ग) उपबंड (क) और (ख) के प्रयोजन के लिए सेवा में किसी मंत्रालय में विभागीकृत लेखा कार्यालय में या भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में या तत्कालीन मुद्य बैठन और लेखा अधिकारी के संगठन में की गई सेवा सम्मिलित है।

टिप्पणी:—उपबंड (क) और (ख) के अधीन परिकल्पित व्यवस्था इन नियमों के प्रवृत्त होने की तारीख से इस वर्ष की अवधि तक प्रवृत्त होंगी।

- (ष) प्रत्येक काउंटर में पञ्चासी प्रतिशत रिक्तियाँ सीधी भर्ती द्वारा भरी जाएँगी और इस प्रकार भर्ती किए गए अक्षित इस सेवा के मात्रम् नहीं होंगे किन्तु संबंधित मंत्रालय ने केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य होंगे।
- (अ) यदि किसी वर्ष उपबंड (क) और उपबंड (ख) के अधीन प्रोन्टिंट्रारी के लिए व्यक्ति पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं तो भरे जाने में बच गई रिक्तियाँ सीधी भर्ती द्वारा भरी जाएँगी।

(2) सेवा के कनिष्ठ लेखाकार की श्रेणी में भर्ती निम्नलिखित रूप में होगी, अर्थात्:—

- (क) प्रत्येक काउंटर में 75 प्रतिशत रिक्तियाँ कर्मचारियवृद्ध चयन आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरी जाएँगी;
- (ख) प्रत्येक काउंटर में 25 प्रतिशत ऐसे निम्नश्रेणी लिपिकों को प्रोन्टिंट्रारा द्वारा भरी जाएँगी, जिन्होंने प्रारम्भिक गठन के

भाग स्वरूप विभागीकृत लेखा कार्यालय में सेवा प्रारम्भ की हो या खण्ड (1) के उपबंड (क) और (ख) के अधीन प्रोन्टिंट्रारी गठन किए गए हों और जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष में कम सेवा न की हों; और ऐसी प्रोन्टिंट्रारी कर्मचारियवृद्ध चयन आयोग द्वारा संचालित भावति प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर की जाएँगी;

(ग) प्रत्येक काउंटर में श्रेणी में 20 प्रतिशत रिक्तियाँ ऐसे निम्न श्रेणी लिपिकों की प्रोन्टिंट्रारी द्वारा भरी जाएँगी जिन्होंने प्रारम्भिक गठन के भाग स्वरूप विभागीकृत लेखा कार्यालय में सेवा प्रारम्भ की हों और जिन्होंने निम्नश्रेणी लिपिक के रूप में 5 वर्ष से कम सेवा न की हों; और ऐसी प्रोन्टिंट्रारी प्रत्येक काउंटर की विभागीय प्रोन्टिंट्रारी ममिति द्वारा ज्येष्ठता एवं गुणावगुण के आधार पर की जाएँगी;

(घ) उपबंड (क) और (ख) के प्रयोजन के लिए सेवा में, किसी मंत्रालय में विभागीकृत लेखा कार्यालय में या भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में या तत्कालीन मुद्य बैठन और लेखा अधिकारी के संगठन में की गई सेवा सम्मिलित है।

टिप्पणी:—उपबंड (क), (ख) और (ग) में परिकल्पित व्यवस्था इन नियमों के प्रवृत्त होने की तारीख से 10 वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त होगी;

(इ) कनिष्ठ लेखाकार की श्रेणी में भर्ती किए गए सभी अवधियों को विभागीय पुष्टि परीक्षा ऐसी शर्तों और निवन्धनों पर प्रीर ऐसी अवधि के भीतर उत्तीर्ण करनी होगी जो सरकार विनियोग करे;

(ज) कनिष्ठ लेखाकार की श्रेणी में सीधे भर्ती किए गए अवधियों जो विभागीय पुष्टि परीक्षा खण्ड (क) के अधीन नियत समय के भीतर उत्तीर्ण नहीं होते हैं वे सेवोन्मुक्त किए जाने के दायी होंगे और उक्त काउंटर में प्रोन्टिंट्रारी किए गए निम्नश्रेणी लिपिक जो नियत समय के भीतर विभागीय पुष्टि परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं वे निम्नश्रेणी लिपिक की श्रेणी में प्रतिवर्तित कर दिए जाएंगे।

(3) ज्येष्ठ लेखाकार की श्रेणी की भर्ती निम्नलिखित रूप में होगी, अर्थात्:—

(क) प्रत्येक काउंटर में ज्येष्ठ लेखाकारों की श्रेणी में रिक्तियाँ ऐसे कनिष्ठ लेखाकारों की नियुक्ति द्वारा भरी जाएँगी जिन्होंने 10 वर्ष से कम सेवा न की हो और जिन्होंने प्रत्येक काउंटर की विभागीय प्रोन्टिंट्रारी ममिति द्वारा ज्येष्ठता और योग्यता के आधार पर अनुमोदित किया गया हो।

(ख) उपबंड (क) के प्रयोजन के लिए सेवा में, किसी मंत्रालय के नियमित स्थापन में या भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में या तत्कालीन मुद्य बैठन और लेखा अधिकारी के कार्यालय में सत्तम श्रेणी में की गई सेवा सम्मिलित है।

(4) कनिष्ठ लेखा अधिकारी की श्रेणी में भर्ती निम्नलिखित रूप में होगी, अर्थात्:—

(क) कनिष्ठ लेखा अधिकारीयों की श्रेणी में रिक्तियाँ किसी काउंटर के ऐसे अवधियों की प्रोन्टिंट्रारी द्वारा भरी जाएँगी जिन्होंने ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो इस प्रयोजन के लिए विहित की जाए। परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम और पावता की शर्तें ऐसी होंगी जो सरकार के द्वारा विनियोग की जाएं।

परन्तु सरकार के आदेश द्वारा ऐसे किसी व्यक्ति को, जो अद्वित चाटई एकाउंटेन्ट या सागत लेखाकार है, उक्त परीक्षा के किसी विषय में परीक्षा देने से छूट दे सकेगी।

परन्तु यह भी कि सरकार का विज्ञ मंत्रालय प्रादेशिक लेखाकारों को उक्त परीक्षा के परिवर्तन से परीक्षा देने से छूट दे सकेगी।

(ख) किसी काडर में किसी वर्ष होने वाली कनिष्ठ लेखा अधिकारी की श्रेणी में रिक्तियां जब खण्ड (क) में निर्विष्ट परीक्षा में किसी व्यक्ति ने अर्हता न प्राप्त की हों तो (क) ऐसे ज्येष्ठ लेखाकार की गुणागुण द्वारा चयन के आधार पर प्रोश्रुति द्वारा भी जाएँगी जिन्होंने उम्म श्रेणी में कम से कम 10 वर्ष सेवा की हो; और

(छ) सीधी भर्ती द्वारा भरी जाएँगी।

प्रयेक प्रश्नमर पर हन पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की मध्या की बाबत विनिश्चय सरकार द्वारा किया जाएगा।

(ग) इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए, ज्येष्ठ लेखाकार की श्रेणी की सेवा में, किसी मन्त्रालय में नियमित स्थापन में तत्सम श्रेणी में की गई पूर्व सेवा या आर्द्धीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में या तत्कालीन सुधृत वेतन और लेखा अधिकारी के कार्यालय में चयन श्रेणी लेखा परीक्षक के रूप में की गई सेवा सम्मिलित है;

(घ) ऐसे व्यक्ति जो नियम 3 के नियन्त्रणों के अनुगार स्थानान्तरण में पूर्व लेखाकार या पर्यवेक्षक के पद धारण करते थे वे कनिष्ठ लेखा अधिकारियों के रूप में बने रहने के पात्र हैं किन्तु वे आगे प्रोत्तिके पात्र नहीं हैं।

(इ) उपखण्ड (क) में किसी बात के होते हुए भी, इन नियमों के प्रवृत्त होने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक कनिष्ठ लेखा अधिकारियों की श्रेणी में प्रोश्रुति सरकार द्वारा नैयार की जाने वाली और रखी जाने वाली सामान्य ज्येष्ठता सूची में के व्यक्तियों में से की जाएँगी यदि ऐसे व्यक्तियों ने खण्ड 'क' में निर्विष्ट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

(ज) कनिष्ठ लेखा अधिकारी प्रादेशिक लेखाकारों के पदों पर तैनात किए जाने के दायी होंगे और यदि उन्हें ऐसे नियुक्त किया जाता है तो उनका वेतनमात्र 500-900 रु. होगा।

(5) आशुलिपिकों की श्रेणी में भर्ती नियन्त्रित रूप में होगी, प्रथमतः—

(क) 330-560 रु. के वेतनमात्र में आशुलिपिकों के काडर में रिक्तियों पर भर्ती ऐसी भीति से की जाएँगी जो कार्मिक और प्रशासनिक सुधृत से परामर्श करने के पश्चात् विहित की जाए, और इस प्रकार भर्ती किए गए आशुलिपिक इस सेवा के सदस्य नहीं होंगे किन्तु सम्बन्धित मन्त्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के सदस्य होंगे;

(ख) प्रारम्भिक गठन के भाग स्वरूप विभागीकृत लेखा कार्यालयों को स्थानान्तरण आशुलिपिकों के सम्बन्ध में प्रोश्रुति नियन्त्रित रूप में की जाएँगी:

(i) 425-700 रु. और 425-800 रु. की श्रेणी में रिक्तियां ज्येष्ठता और योग्यता के आधार पर उन लोगों में से प्रोत्तिका द्वारा भरी जाएँगी जो 330-560 रु. वेतनमात्र में हैं और जिन्होंने उम्म श्रेणी में कम से कम तीन वर्ष सेवा की हो; और जिन्होंने प्रति मिनट 100 शब्द की गति के साथ अर्हता प्राप्त की हो।

(ii) 550-50-750 रु. के वेतनमात्र में रिक्तियां ज्येष्ठता और गुणागुण के आधार पर ऐसे व्यक्तियों की प्रोश्रुति द्वारा भरी जाएँगी जिन्होंने 330-560 रु. और 425-700 रु. के वेतनमात्र में दोनों को मिलाकर नेहर वर्ष से कम सेवा न की हो। जिसमें से पांच वर्ष की मेंदा 425-700 रु. के वेतनमात्र में हीनी चाहिए;

(iii) उपखण्ड (ख) के प्रयोजनों के लिए सेवा में किसी मन्त्रालय में नियमित स्थापन में या भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में या तत्कालीन मुहूर वेतन और लेखा अधिकारी के कार्यालय में तत्सम श्रेणी में आशुलिपिक के रूप में सेवा नियमित है;

(iv) जब मद (ii) में वथा परिकालित प्रोश्रुति के लिए पांच आशुलिपिकों में से उपलब्ध नहीं हैं जो प्रारम्भिक गठन के भाग स्वरूप प्रत्यक्षित किए गए थे तो रिक्तियां जब तक पांच व्यक्ति उपलब्ध न हों आस्थायी रूप से केन्द्रीय मन्त्रालय आशुलिपिक सेवा से व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा भरी जाएँगी।

टिप्पणी: उपखण्ड (ख) में की व्यवस्था इन नियमों के प्रथर्तन की तारीख से दस वर्ष की प्रत्यधि तक प्रवृत्त रहेगी।

(6) प्रादेशिक लेखाकारों के काडर में कोई भर्ती केन्द्रीय सरकार द्वारा हम बाबत विनिर्दिष्ट प्रादेशिकों के माध्यम से की जाएँगी।

(7) प्रावेशिक लेखाकारों की चयन श्रेणी में भर्ती प्रावेशिक लेखाकारों की संयुक्त ज्येष्ठता सूची में से की जाएँगी, जिनकी 425-750 रु. के वेतनमात्र में दस वर्ष की सेवा हो और ऐसा चयन योग्यता के अधीन रहते हुए ज्येष्ठता के आधार पर किया जाएगा।

6. ज्येष्ठता की रेंजः (1) निम्न श्रेणी लिपिकों, कनिष्ठ लेखाकारों और ज्येष्ठ लेखाकारों की श्रेणियों में कमशः प्रोत्तियों का विनियमन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर क्रिहित ज्येष्ठता रेंजों में किया जाएगा।

(2) जहां उम्म काडर में जिस में व्यक्ति रखा गया है कमशः निम्न श्रेणी लिपिकों, कनिष्ठ लेखाकारों और ज्येष्ठ लेखाकारों की श्रेणियों में प्रोत्तिके लिए प्रोत्तिके अवसर पर उपलब्ध नहीं हैं और ऐसा व्यक्ति ज्येष्ठता की रेंज में आका है तो सरकार किसी व्यक्ति का एक काडर से दूसरे में अन्तरण कर सकेगी।

(3) नए काडर में हम प्रकार प्रत्यक्षित व्यक्ति की ज्येष्ठता सरकार (महा लेखा नियन्त्रक) से परामर्श करने के पश्चात् काडर नियन्त्रण प्राधिकारी द्वारा प्रत्यारित की जाएँगी।

(4) जब एमा अन्तरण किया जाता है तो काडर में ज्येष्ठता की रेंज के भीतर भर्ती व्यक्तियों पर प्रोत्तिके विनाश किया जाएगा।

(5) ज्येष्ठता की रेंज विहित करने की प्रक्रिया अनुसूची 'ख' में उपलब्ध की गई है।

7. परिवीक्षा: (1) श्रेणी में सीधी भर्ती किया गया हर व्यक्ति में प्रथम बार नियुक्त की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर रहेगा।

(2) सीधी भर्ती किया गया व्यक्ति से भिन्न हर व्यक्ति जब श्रेणी में प्रथम बार नियुक्त किया जाता है, ऐसी नियुक्त की तारीख से वो वर्ष की अवधि तक परीक्षण के अधीन रहेगा।

(3) उपनियम (1) और (2) में विनिर्विष्ट परिवीक्षा या परीक्षण की अवधि में, यदि नियुक्त प्राधिकारी उचित समय, किसी मामले में वृद्धि या कटौती को जा करती है परन्तु परिवीक्षा या परीक्षण में वृद्धि

की कूल प्रवधि, वहाँ के मिवाय जहाँ किसी व्यक्ति के विशेष नियन्त्रित विभागीय या विधिक कार्यालयों के कारण ऐसा आवश्यक हो, एक खर्च से अधिक नहीं होगी।

(4) पर्यावरण या परीक्षण की प्रवधि के द्वारान किसी व्यक्ति से ऐसा प्रशिक्षण पाने और ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण करने की प्रयोक्ता की जा सकेगी और सरकार समय-समय पर विहित करे।

8. प्रविष्टियीय विषय: इन नियमों या उसके अधीन किए गए या जारी किए गये प्रादेशों के अन्तर्गत विनियोग स्थल से न आने वाले विषयों के बारे में सेवा के सदस्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं को साधारणतः लागू नियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

#### 9. निर्देशालय: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पनि या जिसकी पत्ती जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या प्राप्ती पत्ती के जीवित होने हेतु हाए किसी अकिञ्चित से विवाह किया है;

सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो आए कि ऐसा विवाह ऐसे अकिञ्चित और विवाह के अन्य पथकार को लागू स्वीय विधि के

अधीन अनुसूच्य है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

10. कठिनाइयों का निराकरण: सरकार समय-समय पर ऐसे साधारण या विशेष नियंत्रण जारी कर सकेगी जो वह, इन नियमों के किन्तु उपबन्धों के प्रवर्तन में कठिनाइयों का निराकरण करने के लिए आवश्यक समझे।

11. निवेदन: यदि इन नियमों के किन्तु उपबन्धों के निवेदन के बारे में कोई सदैह उत्पत्ति होता है तो वह सामाजिक सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा जिसका विनियन्य अनिवार्य होता।

12. नियम शिखित करने की शक्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षित है, वही वह, उसके लिए जो कारण है, उन्हें लेखालय करके, इन नियमों के किन्तु उपबन्धों को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, प्रादेश द्वारा, विधिसंगत सकेगी।

13. व्यावृत्ति: इन नियमों को कोई भी बास ऐसे प्रारक्षणों और अन्य व्यायामों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर नियंत्रण गए प्रादेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची 'क'

[नियम 2(ख) (च) और 4(2) देखिए]

मंत्रालयों में विभिन्न काउंसिलों में पद

क्रम संख्या	मंत्रालय	काउंसिल लेखा प्रधिकारी		व्योम लेखा प्रधिकारी	निम्न श्रेणी लेखाकार	ग्रामीण शिपिंग	टिप्पणी
		3	4				
1.	सचारा मंत्रालय	.	.	12	—	28	10
2.	उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय	.	.	24	—	103	27
3.	पर्यावरण और नागरिक विमानन मंत्रालय	.	.	28	11	141	19
	इस्पात और खान मंत्रालय						
4.	इस्पात विभाग	.	.	7	—	20	6
5.	खान विभाग	.	.	32	—	236	32
6.	पेट्रोलियम	.	.	2	—	5	2
7.	रमायन और उर्वरक कुर्ज मंत्रालय	.	.	2	—	5	1
8.	कोयला	.	.	2	—	10	3
9.	विद्युत	.	.	13	1	59	13
	कृषि और मिलाई मंत्रालय						
10.	कृषि विभाग	.	.	40	13	208	43
11.	मिलाई विभाग	.	.	18	63	90	20
12.	ग्रामीण विकास	.	.	5	—	32	6
13.	खाद्य	.	.	19	—	131	30
14.	निर्माण और ग्रामीण मंत्रालय	.	.	71	204	480	111
	पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय						
15.	पूर्ति विभाग	.	.	11	—	913	309
16.	पुनर्वास विभाग	.	.	14	—	122	23
17.	नौवक्षन और परिवहन मंत्रालय	.	.	16	4	79	17
18.	वाणिज्य मंत्रालय	.	.	22	—	127	29
	गिरधार और समाज कल्याण मंत्रालय						
19.	शिक्षा, जिसमें संस्कृति भी सम्मिलित है	.	.	21	—	78	16
20.	समाज कल्याण	.	.	1	—	6	3
21.	विदेश मंत्रालय	.	.	19	—	89	13

1	2	3	4	5	6	7	8
22.	वित्त मंत्रालय						
(क)	व्यय	20	—	70	27	3	
(ख)	प्राधिक कार्य	43	—	117	14	3	
(ग)	राजस्व	3	—	11	1	1	
	योग	66	—	198	44	7	
23.	केन्द्रीय प्रश्यवक कर बोर्ड	129	—	509	81	12	
24.	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड	131	—	534	32	9	
25.	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	39	—	204	43	17	
26.	गृह मंत्रालय	78	—	337	61	10	
27.	(क) कार्मिक और प्रशासनिक शुधार विभाग (ख) प्रधान मंत्री कार्यालय (ग) उपराष्ट्रपति सचिवालय (घ) मंत्रिमण्डल सचिवालय (इ) संसदीय कार्य विभाग (झ) राष्ट्रपति सचिवालय (ঠ) मंथ लोक सेवा आयोग	19	—	69	16	3	
28.	सूचना और प्रभारण मंत्रालय	59	14	245	66	6	
29.	श्रम मंत्रालय	24	2	90	23	3	
30.	विधि, न्याय और कानूनी कार्य मंत्रालय (क) विधि कार्य (ख) विधायी कार्य विभाग (ग) कानूनी कार्य (घ) उच्चतम न्यायालय	11	—	45	14	3	
31.	योजना और संस्करणीय मंत्रालय	13	—	51	16	2	
32.	विज्ञान और तकनीकी	27	—	115	20	2	
33.	एलेक्ट्रोनिक	2	—	6	2	—	
	कुल योग	1077	382	3365	1152	163	

## ग्रन्थालय

[नियम 2-छ प्र० 6(3) देखिए]

ज्येष्ठता की रेंज विहित करने की प्रक्रिया:

(i) ज्येष्ठता की रेंज विवरणित करने के लिए निम्न श्रेणी लिपिकों, कलिष्ठ लेखाकारों और ज्येष्ठ लेखाकारों की श्रेणियों में प्रोत्तिके लिए क्रमशः समूह 'अ' कवेचारियों, निम्न श्रेणी लिपिकों और कलिष्ठ लेखाकारों की सूचियाँ तैयार करने के लिए महालेखा नियंत्रक प्रति वर्ष एक समिति का गठन करेगा जिसमें विभिन्न मंत्रालय में संयुक्त महालेखा नियंत्रक, दो मुख्य लेखा नियंत्रक/लेखा नियंत्रक, और वित्त मंत्रालय के स्थानीय प्रभाग का एक प्रतिनिधि होंगा।

(ii) उपरोक्त (i) में निविष्ट विभिन्न श्रेणी में प्रोत्तिके लिए व्यक्तियों की सूचियाँ तैयार करने के प्रयोजनार्थी विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में काउर नियंत्रण प्राधिकारियों से वर्ष के दौरान विद्यमान और अनुमतिरिक्तियों को उपदर्शित करने की प्रवेक्षा की जाएगी। एक काउर से दूसरे काउर में ज्येष्ठता की रेंज के भीतर पाल व्यक्तियों का स्थानान्तरण उन विकल्पों के बारे में, जो ज्येष्ठता एवं गुणागुण या ज्येष्ठता और योग्यता पर प्रोत्तिके प्राधार पर भरी जाती हैं, और जिनके लिए प्रतियोगिता परीक्षा किया जाता है। उन विकल्पों की बाबत जो प्रतियोगिता परीक्षा के प्राधार पर प्रोत्तिके द्वारा भरी जाने वाली है; प्रोत्तिके उपलब्ध विकल्पों की संख्या की सीमा के अधीन रहते हुए सभी भव्यालयों/विभागों के लिए तैयार की गई सामान्य गुणागुण की सूची के

आधार पर की जाएगी। विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में उन व्यक्तियों का आवंत जो गुणागुण के प्राधार पर प्रोत्तिके लिए प्रहित है, वित्त मंत्रालय में महानियंत्रक, लेखा द्वारा किया जाएगा। समिति को, जैसा और जब आवश्यक हो, ज्येष्ठता की रेंज के प्राधार पर सूचियों में वृद्धि या उपन्तरण करने पर विचार करने की सूच होगी।

## व्यावधानक लापत्त

ये नियम, राष्ट्रपति द्वारा मंत्रियाँ के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाए गए हैं। इस सेवा में प्रारम्भिक भर्ती, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग, मुख्य बैठन तथा लेखा विभिन्नीयों के भूतपूर्व भगठन से कर्मचारियों के स्थानान्तरण द्वारा की जाती है तथा केवल सरकार में लेखाओं के विभागीकरण के लाये किया जाते के फलतः ये अन्य मंत्रालयों से स्थानीय स्थानान्तरण द्वारा भी व्यक्तियों को नियुक्त किया जाता है। केन्द्रीय भर्ती में विभागीकृत लेखाओं की स्थापना। अ३१, 1976 से भूल होकर विभिन्न भर्तीयों में पूरी की गई और कामिकों को स्थानान्तरण समय-समय पर किया जाना रहा। अब: केन्द्रीय विभिन्न लेखा मेश्वर (समूह ग) के गठन सम्बन्धी नियमों की 1-4-1976 से भूतनकी प्रभाव दिया जाना है। इन नियमों की भूतनकी प्रभाव देखे से किया व्यक्तिके हिस्से पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० फा० 9(2)/76-प्र० ०००]

लोकेन्द्र नाथ शर्मा, अवृत्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

## (Department of Expenditure)

New Delhi, the 10th July, 1978

**G.S.R. 925.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the recruitment to Central Civil Accounts Service (Group C), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Civil Accounts Service (Group C) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1978.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "appointing authority" in relation to any grade means the authority empowered under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, to make appointments to that grade;
- (b) "cadre" means the post in the authorised grades of the Service in any Ministry specified in Schedule A to these rules;
- (c) "direct recruit" means a person recruited to a post in the grade through open selection in the manner specified in these rules;
- (d) "Divisional Accountant" means a person appointed as such after qualifying in the Initial Recruitment Examination for Divisional Accountants or in the Divisional Test conducted by the Indian Audit and Accounts Department;
- (e) "Government" means the Government of India in the Ministry of Finance.
- (f) "Ministry" means a Ministry in the Government of India and includes a Department of the Ministry or other offices as specified in the Schedule A to these rules;
- (g) "range of seniority" in relation to any grade means the range specified by the Government in the seniority list for that grade for purposes of promotion;
- (h) "Service" means the Central Accounts Service (Group C).

## 3. Initial constitution of the service and its classification.—

(1) The service shall be constituted initially by permanent transfer of persons from—

- (a) the Indian Audit and Accounts Department;
- (b) the organisation of the Chief Pay and Accounts Officer;
- (c) the Ministries to such extent and on such terms and conditions as the Government may lay down in this regard.

(2) Initial constitution shall be completed when a notification to that effect is issued by the Government.

(3) The service shall be classified as Central Civil Accounts Service (Group C)—Ministerial—Non-gazetted.

4. Grades in the service.—There shall be the following grades in the service, namely :—

- (a) Lower Division Clerks      Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-400.
- (b) Junior Accountant      Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.
- (c) Senior Accountant      Rs. 425-15-560-EB-20-640.
- (d) Junior Accounts Officer      Rs. 500-20-700-EB-25-900.

(e) Stenographer	(i) Rs. 550-750.
	(ii) (a) Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700
	(b) Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-E-B-25-800 (for the Head quarters only).
	(iii) Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.
(f) Divisional Accountant	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-640-FB-20-700-25-750.
(g) Divisional Accountant Selection Grade	Rs. 550-20-650-25-800.

(2) The strength of each cadre at the time of initial constitution shall be as shown in Schedule A to these rules:

Provided that if the Government is satisfied that it is necessary or expedient in the public interest so to do, it may, from time to time—

- (a) create such new cadre as it deems fit;
- (b) make such alterations, variations and other modifications (including changes in the strength of the cadre) as it deems fit;
- (c) amalgamate two or more cadres or divide one or more cadres into such number of cadres as it deems fit.

5. Future maintenance of the service.—After the initial constitution of the service further recruitment to the vacancies in the various grades of the service shall be done in the following manner, namely :—

(1) Recruitment to the grade of Lower Division Clerks shall be made as follows, namely :—

- (a) five per cent of the vacancies in the cadre shall be filled by promotion from amongst Group D employees who joined the Departmentalised Accounts Offices as part of the initial constitution with five years' service and who fulfil the requirement of minimum educational qualification namely, Matriculation or equivalent examination and pass the departmental competitive examination to be conducted by the Staff Selection Commission;
- (b) ten per cent of the vacancies in each cadre shall be filled by promotion from amongst Group D employees who joined the Departmentalised Accounts Offices as part of the initial constitution with seven years' service and pass the Departmental Qualifying Examination to be conducted by the Staff Selection Commission and for which not more than three chances will be allowed;
- (c) for the purpose of sub-clause (a) and (b) service shall include the service rendered in a Departmentalised Accounts Office in a Ministry or in the Indian Audit and Accounts Department or in the organisation of the erstwhile Chief Pay and Accounts Officer.

Note.—The arrangement under sub-clauses (a) and (b) shall be in force for a period of ten years from the date on which these rules come into force;

- (d) eighty-five per cent of the vacancies in each cadre shall be filled by direct recruitment and the persons so recruited shall not be members of this Service, but, shall be the members of the Central Secretariat Clerical Service of the concerned Ministry;
- (e) in the event of sufficient number of persons for promotion under sub-clause (a) or sub-clause (b) are not available in a year, the vacancies remaining unfilled shall be filled by direct recruitment.

(2) Recruitment to the grade of Junior Accountant shall be as follows, namely :—

- (a) seventy-five per cent of the vacancies in each cadre shall be filled by direct recruitment through the Staff Selection Commission ;
- (b) five per cent of the vacancies in each cadre shall be filled up by promotion of Lower Division Clerks who joined the Departmentalised Accounts Offices as part of the initial constitution or promoted under sub-clauses (a) and (b) of clause (1) and who have rendered not less than three years service in that grade ; and the said promotion shall be given on the basis of a Limited Competitive Examination to be conducted by the Staff Selection Commission ;
- (c) twenty per cent of the vacancies in the grade in each cadre shall be filled by promotion of Lower Division Clerks who joined the Departmentalised Accounts Offices as part of the initial constitution and who have rendered no less than five years service as Lower Division Clerks and such promotion shall be given on the basis of seniority-cum-merit by a Departmental Promotion Committee of each cadre ;
- (b) for the purposes of sub-clauses (a) and (b) service shall include service rendered in a Departmentalised Accounts Office in a Ministry or in the Indian Audit and Accounts Department or in the organisation of the erstwhile Chief Pay and Accounts Officer.

Note.—The arrangement under sub-clauses (a), (b) and (c) shall be in force for a period of ten years from the date on which these rules come into force ;

- (e) all persons recruited to the grade of Junior Accountant shall have to pass a Departmental Confirmatory Examination on such terms and conditions and within such period as may be specified by the Government ;
- (f) direct recruits to the grade of Junior Accountant who have not passed the Departmental Confirmatory Examination within the time specified under Clause (e) shall be liable to be discharged from service and Lower Division Clerks promoted to the said grade who have not passed the said examination within the time specified under clause (e) shall be reverted to the grade of Lower Division Clerks.

(3) Recruitment to the grade of Senior Accountant shall be as follows, namely :—

- (a) vacancies in the grade of Senior Accountant in each cadre shall be filled up by the appointment of Junior Accountants who have rendered not less than ten years of service and are approved by the Departmental Promotion Committee in each cadre on the basis of seniority-cum-fitness ;
- (b) for the purpose of sub-clause (a) service shall include service rendered in a corresponding grade in a regular establishment in any Ministry or in the Indian Audit and Accounts Department or in the organisation of erstwhile Chief Pay and Accounts Officer.

(4) Recruitment to the grade of Junior Accounts Officer shall be as follows, namely :—

- (a) vacancies in the grade of Junior Accounts Officer shall be filled by promotion of persons in a cadre who have passed such examination as may be prescribed for this purpose. The syllabus and the conditions of eligibility for the examination shall be such as may be specified by the Government ;

Provided that the Government may, by order, exempt any person who is a qualified Chartered Accountant or Cost Accountant from appearing in any subject in the said examination.

- (b) vacancies in the grade of Junior Accounts Officer occurring in a year in a cadre where there are no

persons who have qualified in the examination referred to in sub-clause (a) may be filled up—

- (i) by promotion of Senior Accountants who have rendered not less than ten years service in the grade on the basis of selection by merit ; and
  - (ii) by direct recruitment.
- The decision regarding the number of vacancies to be filled up by these methods on each occasion will be taken by the Government ;
- (c) for the purposes of this clause service in the grade of Senior Accountant shall include the previous service rendered in a corresponding grade in a regular establishment in any Ministry or the service rendered as Selection Grade Auditors in the Indian Audit and Accounts Department or in the organisation of the erstwhile Chief Pay and Accounts Officer ;
  - (d) persons who were holding the post of Accountant or Supervisor before the transfer in terms of rule 3 are eligible to continue as Junior Accounts Officer, but, are not eligible for further promotion ;
  - (e) notwithstanding anything in sub-clauses (a) promotion to the grade of Junior Accounts Officer for a period of five years from the date on which these rules come into force shall be made from amongst the persons from a common seniority list to be drawn up and maintained by the Government if such persons have passed the examination referred to in clause (a) ;
  - (f) Junior Accounts Officers are liable to be posted against the posts of Divisional Accountants and if so appointed their pay scale shall be Rs. 500—900.

(5) Recruitment to the grade of Stenographers shall be as follows, namely :—

- (a) vacancies in the cadre of stenographers in the pay scale of Rs. 330—560 shall be filled by recruitment in such manner as may be prescribed after consultation with the Department of Personnel and Administrative Reforms and the stenographers so recruited shall not be members of this Service, but, shall be members of the Central Secretariat Stenographers Service of the concerned Ministry ;
- (b) in the case of stenographers transferred to Departmentalised Accounts Office as part of the initial constitution, promotion shall be made as under :—
  - (i) vacancies in the grade of Rs. 425—700 and Rs. 425—800 shall be filled by promotion on the basis of seniority-cum-fitness of those in the pay scale of Rs. 330—560 and have rendered at least three years of service in the grade and have qualified with a speed of hundred words per minute ;
  - (ii) vacancies in the pay scale of Rs. 500—50—750 shall be filled up by promotion on the basis of seniority-cum-merit of persons who have rendered not less than thirteen years of service in the pay scale of Rs. 330—560 and Rs. 425—700 put together and out of which five years of service should be in the pay scale of Rs. 425—700 ;
  - (iii) for the purpose of sub-clause (b), service shall include service as stenographer in a corresponding grade in a regular establishment in any Ministry or in the Indian Audit and Accounts Department or in the organisation of erstwhile Chief Pay and Accounts Officer ;
  - (iv) when an eligible stenographer for promotion as envisaged in item (ii) is not available out of the stenographers transferred as part of the initial constitution, the vacancies may be filled temporarily by transfer of persons from Central Secretariat Stenographers Service till eligible persons became available ;

Note.—The arrangement under sub-clause (b) shall be in force for a period of ten years from the date on which these rules come into force.

(6) Any recruitment to the cadres of Divisional Accountants shall be made by the Government through specific orders in his regard.

(7) Recruitment to the Divisional Accountants Selection Grade shall be made by promotion from out of the combined seniority list of Divisional Accountants with ten years of service in pay scale of Rs. 425—750 and such selection shall be made on seniority subject to fitness.

6. Ranges of seniority.—(1) Promotions to the grades of Lower Division Clerks, Junior Accountants and Senior Accountants respectively shall be regulated within the range of seniority prescribed by the Government from time to time.

(2) When promotional avenues for promotion to the grades of Lower Division Clerks, Junior Accountants and Senior Accountants respectively are not available in the cadre in which the persons are placed and such persons fall within the range of seniority, it may be open to the Government to transfer a person from one cadre to another.

(3) The seniority of the person so transferred in the new cadre shall be determined by the cadre controlling authority in consultation with the Government (Controller General of Accounts).

(4) When such transfers are made all eligible persons within the range of seniority in the cadre shall be considered for promotion.

(5) The procedure for prescribing the range of seniority is set out in Schedule B.

7. Probation.—(1) Every direct recruit to a grade shall be on probation for a period of two years from the date of his appointment.

(2) Every person, other than a direct recruitment shall, when first appointed to a grade, be on trial for a period of two years from the date of such appointment.

(3) The period of probation or trial specified in sub-rules (1) and (2), may, if the appointing authority deems fit, be extended or curtailed in any case but the total period of extension or probation or trial shall not, save where it is necessary

by reason of departmental or legal proceedings pending against the person, exceed one year.

(4) During the period of probation or trial a person may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may, from time to time, specify.

8. Residuary matters.—In regard to matters not specifically covered by these rules or orders made or issued thereunder, the members of the Service shall be governed by the rules, regulations and orders applicable to the Central Civil Services in general.

#### 9. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the Service;

Provided that the Government may if it is satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage, and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

10. Removal of difficulties.—The Government may, from time to time, issue such general or specific directions as may be necessary to remove difficulties in the operation of any of the provisions of these rules.

11. Interpretation.—If any doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of these rules the matter shall be referred to the Government who shall decide the same.

12. Power to relax.—Where the Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

13. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of person in accordance with the orders framed by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE 'A'

[See rules 2(b), (f) and 4(2)]

Posts in the various cadres in the Ministries

Sl. No.	Ministries	Junior Accounts Officer	Divisional Accoun- tants	Senior/ Junior Accoun- tants	Lower Division Clerks	Stenogra- phers	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Ministry of Communication	12	—	28	10	2	
2.	Ministry of Industry and Civil Supplies	24	—	103	27	4	
3.	Ministry of Tourism and Civil Aviation	28	11	141	19	3	
Ministry of Steel and Mines:							
4.	Department of Steel	7	—	20	6	1	
5.	Department of Mines	32	—	236	32	3	
6.	Petroleum	2	—	5	2	—	
7.	Chemical and Fertilizers	2	—	5	2	1	
Ministry of Energy:							
8.	Coal	2	—	10	3	2	
9.	Power	13	71	59	13	16	
Ministry of Agricultural and Irrigation :							
10.	Department of Agriculture	40	13	208	43	8	
11.	Department of Irrigation	18	63	90	20	3	

1	2	3	4	5	6	7	8
12.	Rural Development . . . . .	5	—	32	6	1	
13.	Food . . . . .	19	—	131	30	3	
14.	Ministry of Works and Housing . . . . .	71	204	480	111	18	
	Ministry of Supply and Rehabilitation						
15.	Department of Supply . . . . .	111	—	913	309	12	
16.	Department of Rehabilitation . . . . .	14	—	122	23	3	
17.	Ministry of Shipping and Transport . . . . .	16	4	79	17	6	
18.	Ministry of Commerce . . . . .	22	—	127	29	4	
	Ministry of Education and Social Welfare						
19.	Education including Culture . . . . .	21	—	78	16	4	
20.	Social Welfare . . . . .	1	—	6	3	1	
21.	Ministry of External Affairs . . . . .	19	—	89	13	4	
22.	Ministry of Finance :						
	(a) Expenditure . . . . .	20	—	70	27	3	
	(b) Economic Affairs . . . . .	43	—	117	14	3	
	(c) Revenue . . . . .	3	—	11	1	1	
	Total :	66	—	198	44	7	
23.	Central Board of Direct Taxes . . . . .	129	—	509	81	12	
24.	Central Board of Excise and Customs . . . . .	131	—	534	32	9	
25.	Ministry of Health and Family Welfare . . . . .	39	—	204	43	17	
26.	Ministry of Home Affairs . . . . .	78	—	337	61	10	
27.	(a) Department of Personnel and Administrative Reforms . . . . .						
	(b) Prime Minister's Office . . . . .						
	(c) Vice President's Secretariat . . . . .						
	(d) Cabinet Secretariat . . . . .						
	(e) Department of Parliamentary Affairs . . . . .						
	(f) President's Secretariat . . . . .						
	(g) Union Public Service Commission . . . . .						
28.	Ministry of Information and Broadcasting . . . . .	59	14	245	66	5	
29.	Ministry of Labour . . . . .	24	2	90	23	3	
30.	Ministry of Law, Justice and Company Affairs :						
	(a) Legal Affairs . . . . .						
	(b) Legislative Department . . . . .						
	(c) Company Affairs . . . . .						
	(d) Supreme Court . . . . .						
31.	Ministry of Planning and Statistics . . . . .	13	—	51	16	2	
32.	Science and Technology . . . . .	27	—	115	20	2	
33.	Electronics . . . . .	2	—	6	2	—	
	Total :	1077	382	5365	1152	163	

## SCHEDULE B

[See rules 2(g) and 6(5)]

Procedure for prescribing the range of seniority

- (i) A Committee consisting of the Joint Controller General of Accounts in the Ministry of Finance, two Chief Controllers/Controllers of Accounts and a representative of the Establishment Division of the Ministry of Finance will be constituted each year by the Controller General of Accounts for preparation of lists of Group 'D' employees, Lower Division Clerks and Junior Accountants for promotion to the grades of Lower Division Clerks, Junior Accountants and Senior Accountants respectively for determining the range of seniority.

- (ii) For the purpose of preparation of lists of persons for promotion to the various grades referred to in (i) above the cadre controlling authorities in various Ministries/Departments will be required to indicate the existing and anticipated vacancies during the course of the year. Transfer of eligible persons within the range of seniority from one cadre to another cadre will be made only in respect of vacan-

cies which have to be filled on the basis of promotion on seniority-cum-merit or seniority-cum-fitness for which a competitive examination, is not prescribed. In respect of the vacancies to be filled by promotion on the basis of a competitive examination, promotions will be made on the basis of common merit list prepared for all Ministries, limited to the number of vacancies available. Allotment of persons to different Ministries who qualify for promotion on the basis of merit will be made by the Controller General of Accounts in the Ministry of Finance. It shall be open to the Committee to consider making additions or modifications in the lists on the basis of range of seniority as and when it becomes necessary.

## EXPLANATORY MEMORANDUM

These Rules have been made by the President in exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution. Initial recruitment to this service is made by transfer of staff from the Indian Audit & Accounts Department, erstwhile organisation of the Chief Pay & Accounts Officer, and also persons appointed on permanent transfer from other Ministries/Departments consequent on the introduction of the departmentalisation of accounts in the Central

Government. The installation of the departmentalised accounts in the Central Government was carried out in phases beginning 1st April, 1976, and the transfer of personnel was effected from time to time. The Rules relating to the constitution of the Central Civil Accounts Service (Group 'C') have, therefore, to be given retrospective effect from 1-4-1976. Giving retrospective effect to these Rules will not adversely affect in interests of any person.

[No. 9(2)/76-SC]

L. N. SHARMA, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1978

गीमा-शुल्क

सांकेति० ९२६.—केन्द्रीय सरकार वित्त अधिनियम, १९७८ (१९७८ का १९) की धारा ३५ की उपधारा (४) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम १९६२ (१९६२ का ५२) की धारा २५ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त एकियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० १५२-सीमाशुल्क, तारीख १५ जुलाई, १९७७ में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में क्रम सं० २०० और से सम्बंधित प्रविधियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविधियों अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“२०१. सं० २०४-सीमाशुल्क, तारीख २ अगस्त, १९७६”

[सं० १३४-सीमाशुल्क/फा० सं० ४६८/१७/७६-सीमाशुल्क-५]

एस० बसु, अधर सचिव

## (Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd July, 1978

## CUSTOMS

**G.S.R. 926.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 35 of the Finance Act, 1978 (19 of 1978), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 96-Customs, dated the 12th May, 1978, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 200 and entries relating thereto the following Serial No. and entries shall be inserted, namely :—

“२०१. No. 204-Customs, dated the 2nd August, 1976.”

[No. 134-Customs/F. No. 468/17/76-Cus. V]

S. BASU, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1978

सीमा-शुल्क

सांकेति० ९२७.—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, १९६२ (१९६२ का ५२) की धारा २५ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त एकियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना

लोकहित में आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० १५२-सीमाशुल्क, तारीख १५ जुलाई, १९७७ में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(1) प्रथम परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा, अर्थात् :—

“परन्तुक यह सब जब कि उक्त मारणी की मद सं० १ के सामने स्थाप्त (२) में विनिष्टिष्ट माल का आयात परि उक्त मारणी के स्थाप्त (३) में तत्संबंधी प्रविधियों में विनिष्टिष्ट सभी वस्तुओं या किसी वस्तु के विनिर्णय के लिये किया जाता है तो यथास्थिति, आयातकर्ता या विनिर्णयकर्ता एसे प्रक्षेप में और उनकी रकम के अन्धपत्र का निष्पादन करके जो साहाय्यक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिष्टिष्ट किय जाए, स्वयं यो इस बात के लिये आवश्यक करती है कि वह, मांग किय जाने पर, आयातिन स्टेनलेस स्टील की लेटो, चार्डर और पट्टियों की उस मात्रा की बाबत, जिसके बारे में महायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रव रूप में यह साक्षित नहीं किया जाता कि उनका प्रयोग ऐसे विनिर्णय के लिये किया गया है, यक्षा दी गई छूट के न दिये जाने की बाया में उस मात्रा पर उद्ग्रहीय शुल्क तथा आयात के समय पहले ही संदर्भ शुल्क के अन्तर के समतुल्य रकम का, सदाय करेगा।”

(2) मारणी में,—

(i) क्रम सं० १ के सामने,—

(क) स्थाप्त (२) में “स्टेनलेस स्टील की लेटो, चार्डर और पट्टियाँ” शब्दों के स्थान पर “१६ बैंडों में या अधिक की मात्रा वाली स्टेनलेस स्टील की लेटो, चार्डर और पट्टियाँ” प्रक, अक्षर और शब्द रखे जाएं।”

(ख) स्थाप्त (३) में मद (ग) और स्थाप्त (४) की तत्संबंधी प्रविधियों का लोप किया जायेगा,

(ii) यस सं० २ और तत्संबंधी प्रविधियों के पश्चा निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् —

१	२	३	४
“३ स्टेनलेस स्टील की लेटो, चार्डर और पट्टियाँ	क्रम सं० १ के सामने विनिष्टिष्ट प्रयोगनामों में निम्न प्रयोगनामों के लिए	मत्त्य का दो चाँ	प्राप्ति प्रणिषण १”

[सं० १३३/फा० सं० ३७०/१८९/७७सी०शु०१]

आनन्द बोटिया, अधर सचिव

New Delhi, the 22nd July, 1978

## CUSTOMS

**G.S.R. 927.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 152-Customs, dated the 15th July, 1977, namely :—

In the said notification—

(1) for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that if the goods specified in column (2) against S. No. 1 of the said Table are imported for

the manufacture of all or any of the articles specified in the corresponding entry in column (3) thereof, the importer or the manufacturer as the case may be, binds himself, by the execution of a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, to pay, on demand, in respect of such quantity of imported stainless steel plates, sheets and strips as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for such manufacturer, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation;"

(2) in the Table,—

(i) against S. No. 1—

(A) in column (2), for the words "Stainless Steel plates, sheets and strips" the words figures and letters "Stain-

less Steel plates, sheets and strips of a thickness of 16 BG or more" shall be substituted;

(B) item (c) in column (3) and the corresponding entry in column (4) shall be omitted;

(ii) after S. No. 2 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

(1)	(2)	(3)	(4)
" 3	Stainless steel plates, sheets and strips	For purposes other than those referred against S. No. 1	Two hundred and twenty per cent ad valorem."

[No. 133/F. No. 370/189/77-Cus-I]

A. BORDIA, Under Secy.

## उद्योग मंत्रालय

(कार्यालय, विकास आयुक्त)  
(लघु उद्योग)

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1977

सां० का० नि० 928.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उद्योग मंत्रालय के अधीन लघु उद्योग विकास संगठन में वर्ग 'ग' (ग्राहिक वर्गीय पद) पर भर्ती की पद्धति को नियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लघु उद्योग विकास संगठन (वर्ग 'ग' ग्राहिक वर्गीय पद) भर्ती नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागूशीता :—ये नियम इन नियमों से उपार्द्ध अनुसूची के स्तम्भ (1) में विविदिष्ट पर्यों को लागू होंगे।

3. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : पर्यों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान ये होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ (2) से (4) तक में विविदिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और योग्यताएं आदि :—उक्त पर्यों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, योग्यता और उनसे सम्बन्धित अन्य घातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ (5) से (13) तक में विविदिष्ट हैं।

5. निरहृताएँ.—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हैं; विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान ही जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति द्वारा विवाह के प्रथम पक्षकार की लागू स्वीकृति के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. नियम शिथिल करने की शक्ति.—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय ही कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षीन है वहाँ, वह उसके लिये जो कारण है उन्हें लेख-दृढ़ करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रबन्ध के व्यक्तियों की वावत, प्रावेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

7. व्यापत्ति—इन नियमों की कोई भी वात ऐसे आरक्षणों और अन्य विवायतों पर प्रभाव नहीं आयेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विवेष प्रबन्ध के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करला ग्रेवेश्वित है।

## अनुसूची-I

उद्योग मंत्रालय के अधीन लघु उद्योग विकास संगठन में कुशल श्रमिक (येड-1) के पदों के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण	वेतनमान	बयन पद अथवा सीधे भर्ती किये जाने सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों प्रवेशन पद	वाले व्यक्तियों के के लिए प्रयोगित मौकियिक और प्राय निए आय सीमा	अद्वेष्टाएं	
1	2	3	4	5	6	7
कुशल कर्मकार (श्रेणी-1)	174 माधारण केन्द्रीय सेवा, 380-12-500-८०८०- घटन समूह 'ग' अराज- 15-560 रु पत्रित (प्रलिपिक वर्गीय)		लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		

सीधे भर्ती किये जाने परिवीक्षा की भर्ती की पद्धति/ भर्ती सीधे प्रोफ्रेशनल/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण यदि विभागीय प्राप्ति भर्ती करने में किस प्रवधि, यदि कोई होगी या प्राप्ति द्वारा या प्रति- द्वारा भर्ती की वसा में वे श्रेणियां मिलती हैं, तो उसकी संख्या परिस्थितियों में संबंधित पद्धति/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा जिनसे प्रोफ्रेशनल/प्रतिनियुक्ति/ प्राप्ति की भर्ती जाने स्थानान्तरण किया जाएगा लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।  
शैक्षक प्रहृताएं प्रोफ्रेशनों की वसा में लागू होनी या महीने

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	वी वर्ष	प्रोफ्रेशनल द्वारा	लघु उद्योग सेवा संस्थान/विस्तार केन्द्रों आदि में ऐसे कुशल कामिकों (श्रेणी-2) (प्रवर्ग-क) और वे संयुक्त की प्राप्ति द्वारा जिनकी अपनी-अपनी श्रेणी में कम से कम ५ वर्षों की नियमित सेवा ही।	श्रेणी 'ग' विभागीय प्रोफ्रेशन समिति :	लागू नहीं होता

## अनुसूची-II

उद्योग मंत्रालय के अधीन लघु उद्योग विकास संगठन में कुशल श्रमिक (श्रेणी-2) (प्रवर्ग-क) के पदों के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण	वेतनमान	बयन पद अथवा सीधे भर्ती किए जाने भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों प्रवेशन पद	वाले व्यक्तियों के लिए लागू शैक्षक और प्राय प्रहृताएं सायु-सीमा	अनिवार्य:	
1	2	3	4	5	6	7
कुशल कर्मकार (श्रेणी-2) 'प्रवर्ग-क'	10 साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अराज- पत्रित, (प्रलिपिक वर्गीय)	260-6-290-८०८०- ६-३२६-८-३६६-८०- ८०८-३९०-१०-४००	लागू नहीं होता	30 वर्ष	दिव्यज्ञान: प्राचीन मामले में स्वतंत्र ६ में उल्लिखित वित्त आय सीमा अवधारित करने की नियंत्रक सारीज्ञ भारत में रहने वाले व्यक्तियों से (उनसे भिन्न जो अन्वयन और निकोडार दीप-समूह तथा लक्ष दीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अनिवार्य हो वर्ष का अवधारित अनुभव।	

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्राप्तमार्ग  
शैक्षिक अवृत्ताएं प्रोत्साहित  
की दरण में लागू होगी  
या नहीं

परिवेश की प्रबलिधि भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्साहित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दरण में वे श्रेणियां पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली गिरिक्षियों की प्रतिष्ठता

यदि विभागीय प्रोत्साहित समिति है तो उसकी जिनमें प्रोत्साहित/प्रतिनियुक्ति/संरचना स्थानांतरण किया जाएगा।

भर्ती करने में किंतु परिस्थितियों में संघर्ष लाक से व्याप्त आयोग द्वारा प्राप्तमार्ग किया जाएगा।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

[सं० 12018/1/74 प्रश्ना० (प्रराजपत्रित)]

एच० एल० जुनेजा, उप-निवेशक (प्रश्ना०)

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Office of the Development Commissioner)

(Small Scale Industries)

New Delhi, the 8th December, 1977

**G.S.R. 928.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group C (Non-Ministerial posts) in the Small Industry Development Organisation, under the Ministry of Industry, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Small Industry Development Organisation (Group C Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column (1) of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule aforesaid.

4. Method of recruitment, age limit and qualification, etc.—The method of recruitment, age limit, qualification and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns (5) to (13) of the Schedule aforesaid.

5. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any category of persons or posts.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

### SCHEDULE—I

Recruitment Rules for the post of Skilled Worker (Grade I) in the Small Industries Development Organisation under the Ministry of Industry

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational & other qualifications required for direct recruits.	
1	2	3	4	5	6	7	
Skilled Worker (Grade- I)	174	General Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 380-12-500-EB-15-560.	Selection	Not applicable	Not applicable	

Whether age & Period of educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made.	If a D.P.C. exists, what is its Composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	11	12	13
Not applicable.	Two years.	By promotion.	By promotion of Skilled Group 'C' D.P.O. Worker (Gr. II) (Category 'A' & 'B', combined). SISIs/ E.Cs, etc. with not less than eight years regular service in the grade.	1. Deputy Director. 2. Dy. Director/Asstt. Director (Gr. I) 3. Asstt. Director (Admn.) 4. One Outside member.	Net applicable.

## SCHEDULE-II

Recruitment Rules for the post of skilled worker (Grade II) (Category 'A') in the Small Industries Development Organisation under the Ministry of Industry.

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limits for direct recruits.	Educational & other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Skilled Worker Grade II (Category 'A')	10	General Central Service Group-C Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not applicable.	30 years. The crucial date for determining the age mentioned in Col. 6 of the Recd. Rules will in each case be the last date of receipt of application from candidates in India (other than Andaman & Nicobar Islands & Lakshadweep).	(i) Essential :— VIII-h Standard Pass. (ii) Practical experience for two years in the line in a recognised Workshop in the trade of wireman fitter/Electrician/Radio Mechanic/Wood Working Machinist/Operator (Glass/Ceramics)/Welder/Machinist.

Whether age and Period of educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made.	If a DFC exists what is its Composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	11	12	13
Not applicable.	Two years.	Direct Recruitment.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई विधी, 7 जुलाई, 1978

स्त्रा० का० नि० 929.—मंत्रिमण्डल के अनुच्छेद 309 के प्रत्युक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और स्वास्थ्य विभाग (वरिष्ठ विश्लेषक शार्य अध्ययन) भर्ती नियमावधी, 1973 का अधिकार करने हुए राष्ट्रपति एवं द्वारा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में वरिष्ठ विश्लेषक (शार्य अध्ययन) के पद की भर्ती को विधि की विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधृतः—

1. मंत्रित शीर्षक और प्रारंभ —(1) इन नियमों का नाम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय वरिष्ठ विश्लेषक (शार्य अध्ययन) भर्ती नियमावधी, 1978 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. संक्षय, वर्गीकरण तथा वेतनमान:—पदों की मंडिया, उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वही होंगे जैसा कि संशोधित अनुसूची के स्तरम् 2 से 4 में निर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की विधि, आयु-सीमा, अद्वैताएं आदि:—उन पदों पर भर्ती की विधि, आयु-सीमा, अद्वैताएं तथा प्रत्येक बातें यद्यपि होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तरम् 5 से 13 में निर्दिष्ट हैं।

4. अनहंता:—कोई व्यक्ति,—

(क) जो किसी देसे व्यक्ति ने विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है जिसका पति या जिसकी पती जीवित हो, अथवा (ख) जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवित रहने हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है, सेवा में नियुक्त होने का पात्र नहीं होगा:

प्रत्युक्त केन्द्रीय सरकार का यह समाधान होने पर कि ऐसा विवाह देसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू होने वाली स्वीकृत विधि के अधीन अनुश्रूत है, और ऐसा करने के अन्य प्राप्तार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रत्येक से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की व्यक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विवाह ही कि छूट देना आवश्यक या उचित है वहाँ वह संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से और विवित कारणों के आधार पर आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को इन नियमों की किसी श्रेणी अथवा उपबन्ध से छूट दे सकती है।

6. व्यावृत्ति:—इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-नमय पर जारी किये गये आवेदनों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये जिन आरक्षणों और अन्य अधियात्रों की व्यवस्था करना अपेक्षित है, उन पर इन नियमों की किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## अनुसूची

नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	पद सेलेक्शन है अथवा नात-सेलेक्शन	सीधी भर्ती के लिये आयुसीमा	सीधी भर्ती के लिये अपेक्षित वैशिक तथा अन्य अद्वैत
1	2	3	4	5	6	7
वरिष्ठ विश्लेषक (शार्य अध्ययन)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	1100-50-1600 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

स्था पदोन्नति से भरे परिवेश की जाने वाले उम्मीदवार अवधि यदि कोई है भर्ती की तारीका :	भर्ती की तारीका :	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण जिसमें भर्ती भर्ती द्वारा या पदोन्नति के द्वारा भर्ती के मामलों में बहुप्रेष भर्ती की तारीका समिति है तो उम्मा के सिए संघीय लोक सेवा विभिन्न तरीकों द्वारा भर्ती की तारीका जिसमें पदोन्नति प्रतिनियुक्ति/ ज्ञान गठन है आयोग से परामर्श लिया जाता है
भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	भर्ती की तारीका :	पदोन्नति के द्वारा भर्ती की तारीका जिसमें पदोन्नति प्रतिनियुक्ति/ ज्ञान गठन है आयोग से परामर्श लिया जाता है
अद्वैताएं सामूह होनी	जाने वाले पदों की प्रतिशतता	

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसमें अल्पकालीन संविधा शामिल हैं) संविधा शामिल हैं)	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: लागू नहीं होता	केन्द्रीय सरकार के अधीन समूह 'क' के अधिकारी किसी राज्य सरकार के अधिकारी तथा सरकारी लोक के उपकरण के किसी अधिकारी को नियुक्त करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श लेना जरूरी है।	

8

9

10

11

12

13

ममूः 'ख' राजपत्रित पत्रों पर  
आठ वर्षे की नियमित सेवा  
दाने अधिकारी तथा इनके न  
पिल गक्करे पर राज्य भरकारों  
अथवा सरकारी क्षेत्र के उपकरणों  
में समतुल्य देख दाने अधिकारी  
जिनके पास निम्नलिखित  
शर्हकार हों :—

(क) किसी भान्यता प्राप्त  
यिखविचालय की डिग्री  
प्रथवा समकक्ष डिग्री; और

(ग) जिन्होंने सचिवालय प्रशि-  
क्षण एवं प्रबंध संस्थान डिफेंस  
कार्य अध्ययन का वर्क स्टडी  
प्रेविटसनरी कोर्स/एडवांस  
मैनेजमेंट सर्विसिंज कोर्स का  
प्रशिक्षण प्रथवा किसी अन्य  
संस्थान का समतुल्य प्रशिक्षण  
सफलतापूर्वक पूरा किया हो

#### प्रथवा

कार्य अध्ययन/संगठन और  
पद्धति/विण्णेनिक/सांक्षिकीय/  
आपरेशन्स रिसर्च अथवा  
अन्य प्रबंध अनुसंधान तकनीकों  
में कम से कम दीन वर्षे का  
अनुभव। सामान्यतः प्रति-  
नियुक्ति/संविदा की प्रथविछ  
वर्ष से अधिक न होंगी।

[सं० ए० 12034/4/77-स्थापना -I]

पी० एल० जोशी, अवर सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

### (Department of Health)

New Delhi, the 7th July, 1978

**G.S.R. 929.**—In exercise of powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Department of Health [Senior Analyst (Work Study)] Recruitment Rules, 1973, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Analyst (Work Study) in the Ministry of Health and Family Welfare, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Health and Family Welfare [Senior Analyst (Work Study)] Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, to the said post, age limit, qualifications and other matter relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

#### 4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Analyst (Work Study)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 1100-50-1600	Not applicable	Not applicable	Not applicable.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees      Period of Probation, if any      Method of recruitment, whether by direct rectt. or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods      In case of rectt. by promotion deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made      If a D.P.C. exist, what is its composition      Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation (including short-term contract).	Transfer on deputation (including short-term contract): Officers holding analogous posts or with 5 years' regular service in post in the scale of Rs. 700—1300 or equivalent or with 8 years' regular service in Group 'B' Gazetted posts in the scale of Rs. 650—1200 or equivalent under the Central Government, failing which officers of equivalent grades from State Governments or Public Sector Undertakings, who have :	Not applicable	Consultation with the UPSC while appointing a Group 'B' Officer under the Central Government an Officer from a State Government and an Officer from Public Sector Undertaking.

(a) Degree of a 'recognised University or equivalent; and

(b) Successfully completed training in the Work Study Practitioners' Course/Advance Management Services Course of the Institute of Secretariat Training and Management, Defence Institute of Work Study or equivalent training in any other institution;

OR

Have at least 3 years' experience in the application of Work Study/Organisation and Methods/Analytical/Statistical/Operation Research or other management research or other management research techniques.

(Period or deputation/contract shall ordinarily not exceed 6 years).

नई विल्सी, 13 जुलाई, 1978

**सांख्यिकी नियम 930.**—ग्रीष्मिय और प्रसाधन सामग्री, नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिये कठिपय नियमों का प्रारूप, ग्रीष्मिय और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 8, 12, 16 और 33 की प्रपेक्षानुसार भारत के राजपत्र, प्रसाधारण भाग-2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 29 अक्टूबर, 1977 के पृष्ठ 2059 से 2065 पर भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग की अधिसूचना संख्या 11013/2/77-डी०एच एम०ग्र० सांख्यिकी नियम 658(अ), तारीख 29 अक्टूबर, 1977 के अधीन प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी शक्तियों से, जिनके उससे प्रमाणित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिस को उक्त राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें उक्त प्रधिसूचना अन्तर्विण्ठी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, तीन मास की अवधि के अवसान के पूर्व प्राक्षेप और सुझाव मांगे गये थे:—

और उक्त राजपत्र जनता को 10 नवम्बर, 1977 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और उक्त प्रारूप की बाबत जनता से प्राप्त प्राक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर दिया है;

**अनु:** अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 और 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्रीष्मिय तकनीकी सलाहकार बाड़ से परामर्श करने के पश्चात्, ग्रीष्मिय और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ग्रीष्मिय और प्रसाधन सामग्री (द्वारा संशोधन) नियम 1978 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. ग्रीष्मिय और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 की प्रधिसूची, 5 में, प्रविष्टि 1 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तर्भापित की जायेगी, अर्थात्:—

“2. विटामिन वाली पेटेंट या सामर्तिक ग्रीष्मियों के मानक:—

रोगनिरोधी, उपचारा या बाल चिकित्सा के उपयोग के लिये विटामिन वाली पेटेंट या सामर्तिक ग्रीष्मियों में, एक या दो विभाजित द्रैनिक खुराकों में विटामिनों की मात्रा नीचे विनियोग से अन्यून और अनधिक होगी, अर्थात्:—

विटामिन	यूनिट	रोगनिरोधी उपयोग के लिये विटामिनों वाली पेटेंट या सामर्तिक ग्रीष्मियों में, प्रति द्रैनिक	उपचारार्थ उपयोग के लिये विटामिनों वाली पेटेंट या सामर्तिक ग्रीष्मियों:	बाल चिकित्सा उपयोग के लिये विटामिनों वाली पेटेंट या सामर्तिक ग्रीष्मियों खुराक (एक या दो खुराक विभाजित खुराकों में)
---------	-------	--	--	---

विटामिन	यूनिट	बयस्कों के लिये	एक वर्ष से कम के शिशुओं के लिए	एक वर्ष से अधिक के शिशुओं से लेकर बयस्कों तक के लिये
विटामिन ए	ग्र० य०	1600 से अन्यून और 2500 से प्रतिविक	5000 से अन्यून और 10,000 से प्रतिविक	750 से अन्यून और 3000 से प्रतिविक
विटामिन डी०	ग्र०य०	100 से अन्यून और 200 से प्रतिविक	400 से अन्यून और 1000 से प्रतिविक	200 से अन्यून और 400 से प्रतिविक
विटामिन बी०-१	एम०जी०	1 से अन्यून और 2 से प्रतिविक	4.5 से अन्यून और 10 से प्रतिविक	0.5 से अन्यून और 1 से प्रतिविक
विटामिन बी०-२	एम०जी०	1 से अन्यून और 3 से प्रतिविक	5 से अन्यून और 10 से प्रतिविक	0.5 से अन्यून और 1.5 से प्रतिविक
विटामिन बी०-६	एम०जी०	0.5 से अन्यून और 1.5 से प्रतिविक	1.5 से अन्यून और 3 से प्रतिविक	0.5 से अन्यून और 1.5 से प्रतिविक
विटामिन बी०-४	एम०जी०	15 से अन्यून और 26 से प्रतिविक	45 से अन्यून और 100 से प्रतिविक	1 से अन्यून और 3 से प्रतिविक
विटामिन बी०-५	एम०जी०	1 से अन्यून और 5 से प्रतिविक	5 से अन्यून और 50 से प्रतिविक	1 से अन्यून और 3 से प्रतिविक
विटामिन बी०-८	एम०जी०	50 से अन्यून और 300 से प्रतिविक	1000 से अन्यून और 1500 से प्रतिविक	25 से अन्यून और 100 से प्रतिविक
फोलिक एसिड	एम०सी०जी०			100 से अन्यून और 500 से प्रतिविक

1	2	3	4	5	6
विटामिन बो०-१२	एम०सी०जी०	०.५ से अन्यून और १.० से अनधिक	५ से अन्यून और १५ से अनधिक	१ से अन्यून और ३ से अनधिक	१ से अन्यून और ५ से अनधिक
विटामिन सी०	एम०जी०	२५ से अन्यून और ५० से अनधिक	७५ से अन्यून और १५० से अनधिक	२० से अन्यून और ४० से अनधिक	३० से अन्यून और ८० से अनधिक
विटामिन ई०	आई०य०	५ से अन्यून और १० से अनधिक	१५ से अन्यून और २५ से अनधिक	२.५ से अन्यून और १० से अनधिक	५ से अन्यून और २० से अनधिक

टिप्पणी:—१. रागनिरोधी या उपचारार्थी या बालचिकित्सा के उपयोग के लिये प्राणप्रित विटामिनों वाली पेटेंट या सांपत्तिक श्रीपथियों पर, यथास्थिति, “रागनिरोध उपयोग के लिये” या “उपचारार्थ उपयोग के लिये” या “बालचिकित्सा के उपयोग के लिये” शब्दों वाला लेबल लगा होगा। बालचिकित्सार्थी निर्मायों की बशा में इन नियमों के अधीन अपेक्षित विणिटेंटों के अनुचाचा, उन शिशुओं या बच्चों की उम्र भी वी जानी चाहिये जिनके उपयोग के लिये वे प्राणप्रित हैं।

टिप्पणी-२. उपर्युक्त मानक एक विटामिन वाली किसी निर्मित श्रीर आन्वेनर उपयोग के लिए प्राणप्रित विटामिन वाली श्रीपथि को भी सागृ नहीं होगे।” परन्तु विटामिनों वाली ऐसी पेटेंट या सांपत्तिक या श्रीपथियों की दशा में, जो कठिप्रथ विणिट दशाओं या रोगों के उपचार के लिये प्राणप्रित हैं, नियम २१ के खण्ड (घ) में विनिरिट अनुशासन प्राधिकारी, ऊपर विनिरिट सीमा को शिथिल करके उनमें विटामिनों की युद्धि करने की तब अनुशा देसकेगा; जब ऐसी शिथिलता के श्रीपथिय के लिये मंतोष पद साक्ष्य प्रस्तुत किया गया था।

[स० जैड० ११०१३/२/७७ ई०एम०एस० एण्ड वी० एफ० ए०]  
जी० पंचापकेशन, अवर सचिव

New Delhi, the 13th July, 1978

**G.S.R. 930.**—Whereas certain draft rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, were published, as required by sections 8, 12, 16 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), at pages 2059 to 2065 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3 Sub-Section(i) dated the 29th October, 1977, under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. X. 11013/2/77-D&MS, G.S.R. 658(E), dated the 29th October, 1977 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of three months from the date on which the copies of the Official Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 10th November, 1977.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, namely:—

- (i) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Second Amendment) Rules, 1978.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, in Schedule V, after entry I, the following entry shall be inserted namely :—

**“2. Standards for patent or proprietary medicines, containing vitamins;**

Patent or proprietary medicines containing vitamins for prophylactic, therapeutic or paediatric use shall contain the vitamins in quantities not less than and not more than those specified below in single or in two divided daily doses namely:-

Vitamin	Unit	Patent or proprietary medicines containing vitamins for prophylactic use		Patent or proprietary medicines containing vitamins for paediatric use	
		per	daily	(in single dose or in two divided doses)	
		For adults		For infants less	For children above one year upto adults
1	2	3	4	5	6
Vitamin A	I.U.	Not less than 1600 and not more than 2500.	Not less than 5000 and not more than 10,000	Not less than 750 and not more than 10,000.	Not less than 1500 and not more than 5000.
Vitamin D	I.U.	Not less than 100 and not more than 200.	Not less than 400 and not more than 1000.	Not less than 200 and not more than 400.	Not less than 100 and not more than 400.
Vitamin B1	mg.	Not less than 1 and not more than 2.	Not less than 4.5 and not more than 10.	Not less than 0.5 and not more than 1.	Not less than 1 and not more than 4.5.

1	2	3	4	5	6
Vitamin B2	mg.	Not less than 1 and not more than 3.	Not less than 5 and not more than 10.	Not less than 0.5 and not more than 1.5	Not less than 1 and not more than 5.
Vitamin B6	mg.	Not less than 0.5 and not more than 1.5.	Not less than 1.5 and not more than 3.	Not less than 0.5 and not more than 1.5.	Not less than 1 and not more than 3.
Niacinamide	mg.	Not less than 15 and not more than 26.	Not less than 45 and not more than 100.	Not less than 5 and not more than 15.	Not less than 10 and not more than 40.
d-Pentothenic acid or its salts and panthenol.	mg.	Not less than 1 and not more than 5.	Not less than 5 and not more than 50.	Not less than 1 and not more than 3.	Not less than 2.5 and not more than 10.
Folic acid	mg.	Not less than 50 and not more than 300.	Not less than 1000 and not more than 1500.	Not less than 25 and not more than 100.	Not less than 100 and not more than 500.
Vitamin B12	mcg.	Not less than 0.5 and not more than 1.0	Not less than 5 and not more than 15	Not less than 1 and not more than 3.	Not less than 1 and not more than 5.
Vitamin C	mg.	Not less than 25 and not more than 50.	Not less than 75 and not more than 150.	Not less than 20 and not more than 40.	Not less than 30 and not more than 80.
Vitamin E	I.U.	Not less than 5 and not more than 10.	Not less than 15 and not more than 25.	Not less than 2.5 and not more than 10.	Not less than 5 and not more than 20.

NOTE 1 : Patent or proprietary medicines containing vitamins intended for prophylactic, therapeutic or paediatric use shall bear on the label the words "For Prophylactic Use" "For Therapeutic Use" or "For Paediatric Use" as the case may be. In the cases of paediatric preparations the age of the infant or the child for whose use it is intended, shall be given in addition to the particulars required to be given under these rules.

NOTE 2 : The above standards shall not apply to any preparation containing a single vitamin only and also to any preparation containing vitamins intended for parenteral use.

Provided, however, that in the case of patent or proprietary medicines containing vitamins which are intended for the treatment of certain specific conditions or diseases, the Licensing Authority specified in clause (b) or rule 21, may permit the addition of vitamins therein in relaxation of the limits specified above, if satisfactory evidence is produced in justification of such relaxation.

[No. X. 11013/2/77-DMS&PFA]  
G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

### कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई विधी, 6 मार्च, 1978

साठे काठे 931.—(राष्ट्रपति, मंत्रिमण्डल के प्रमुखद्वारा प्रत्येक शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि और सिंचाई मंत्रालय, कृषि विभाग के अधीन दिल्ली तुरथ योजना की मरीन लेखा शास्त्र में वर्ग 3 के पदों पर भर्ती की पद्धति की विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं,

भर्ती—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इसी नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली तुरथ योजना (ज्येष्ठ संगणक और मरीन प्रब्लेम) भर्ती नियम 1978 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना—ये नियम इससे उपाय अनुसूची के स्तर 1 में विनिश्चित पदों को लागू होंगे।

3. पद संख्या, उसका दर्शकरण और वेतनमान—उक्त पदों की संख्या, उसका दर्शकरण और उक्तके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाय अनुसूची के स्तर 2 से 4 तक में विनिश्चित हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, प्रहंसाएं आदि—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु सीमा, प्रहंसाएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तर 5 से 13 तक में विनिश्चित हैं।

5. नियमाएँ—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने व्यक्ति पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा—

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृति के अधीन प्रत्येक है और ऐसा करने के लिए अन्य प्राव्यामान यौजूद है, तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रवर्तन से कूट से सकेगी।

6. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ, वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपाय को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती।

7. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अनेकांत है।

### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	नयन पद अथवा अवयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के संघर्षों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य ग्राम-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य ग्राम-सीमा
1	2	3	4	5	6	7
1. उपेष्ठ संगणक	6	साधारण केन्द्रीय, सेवा समूह 'ग' (प्राराज-पत्रित) (ग्रामिपिक-वर्गीय)	330-560 हॉ.	अवयन	21-30 वर्ष (सरकारी सेवकों के (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय लिए 5 वर्ष तक से सांख्यिकी, गणित, विज्ञान या शिथिल की जा सकती अर्थशास्त्र में उपाधि या समतुल्य है। (2) कोलेक्टर, रिपोर्ट्यूसर सार्टर आदि सेवकों के लिए जो मरीनों पर अधिमानत हाइटरनेशनल अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के हैं 5 वर्ष तक और शिथिल जातियों के जा सकती हैं। वांछनीय: भारतीय सांख्यिकी संस्थान से या नेसे किसी अन्य मान्यताप्राप्त संस्थान से ग्रामिक सारणीयन में डिप्लोमा।	आवश्यक :
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अवधि यदि कोई विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोफ्रेशन की वशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोफ्रेशन की वशा में लागू होगी या नहीं	भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधे होगी या प्रोफ्रेशन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां समिलि हैं तो उसकी संख्या जिनसे प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां समिलि हैं तो उसकी संख्या जिनसे प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोफ्रेशन भर्ती करने में जिन लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा		
नहीं	2 वर्ष	प्रोफ्रेशन द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोफ्रेशन	ऐसे संगणकों (को-पंच घापरेटर) में से जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित रूप से 5 वर्ष सेवा की हो या उस प्रतिशत प्रोफ्रेशन द्वारा रिक्तियों का प्रतिशत	समूह 'ग' विभागीय प्रोफ्रेशन जिसमें निम्नलिखित होंगे	लागू नहीं होता
1. उप महाप्रबंधक-अध्यक्ष 2. वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी-सदस्य 3. लागत लेखा अधिकारी	1. उप महाप्रबंधक-अध्यक्ष 2. वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी-सदस्य 3. लागत लेखा अधिकारी	—सदस्य	—सदस्य	4. कार्मिक अधिकारी—सदस्य 5. प्रशासन अधिकारी (स्थापना)—सदस्य सचिव	4. कार्मिक अधिकारी—सदस्य 5. प्रशासन अधिकारी (स्थापना)—सदस्य सचिव	
2. मरीन प्रचालक	3	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (प्राराज-पत्रित) (ग्रामिपिक-वर्गीय)	330-560 हॉ.	अवयन	25-30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है और ऐसे सरकारी सेवकों के लिए जो अनुसूचित जनजातियों/अनुसूचित जनजातियों के हैं 5 वर्ष तक और शिथिल की जा सकती है।) जर्मन जनवादी गणराज्य की गणना मरीनों/जमा मरीनों/काम्पटी मीटरों/फसिट हैलकुलेटरों के प्रचालन और संबंधित अन्य कार्य जैसे जोड़ (वैच टोटल) कराना, मुद्रित सारणियों की अनुरूपता आदि का लागधन दो वर्ष का अनुभव वांछनीय :	आवश्यक :
प्रारंभिक सांख्यिकी संस्थान या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रामिक सारणीयन में डिप्लोमा।						

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोफ्रेशनल द्वारा जिसके न हो सकते प्रोफ्रेशनः पर सीधी भर्ती द्वारा	कामटी मीटर प्रचालन की श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो	समूह 'B' विभागीय प्रोफ्रेशनल समिति में नियन्त्रित होंगे:	समूह 'B' विभागीय प्रोफ्रेशनल सार्ग नहीं होता समिति में नियन्त्रित होंगे: 1. उप महाप्रबंधक (प्रशासन) —प्रधान 2. वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा प्रधिकारी —सदस्य 3. लागत लेखा प्रधिकारी —सदस्य 4. कार्यक्रम प्रधिकारी—मदस्य 5. प्रशासन प्रधिकारी (स्थापना) —सदस्य सचिव

[सं 3-3/75-एस० छी०-1]

आर० एस० सूद, अबर सचिव

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION**  
(Department of Agriculture)

New Delhi, the 6th April, 1978

**G.S.R. 931.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class III posts in the Machine Accounting Branch of the Delhi Milk Scheme under the Department of Agriculture in the Ministry of Agriculture and Irrigation, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Delhi Milk Scheme (Senior Computer and Machine Operator) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, its classification and scales of pay attached thereto, shall be as specified in column 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and

other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

5. Disqualification.—No person, ..

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Savings.—Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

**SCHEDULE**

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Senior Computer	6	General Central Service Group C Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 330—560.	Non-Selection	21-30 years (Relaxable by 5 years in case of Government Servants and further relaxable by 5 years in case of Government servants belonging to the Scheduled Castes/ the Scheduled Tribes.)	Essential : 1. Degree in Statistic, Mathematics, Science or Economics of a recognised University or equivalent. 2. About 2 years experience of operating collector, reproduce, sorter etc. preferably of International Business Machines. Desirable : Diploma from the Indian Statistical Institute or any such recognised Institution in mechanical tabulation.

Whether age and Period of Method of recruitment In case of recruitment by If a DPC exists what Circumstances in Educational qualification prescribed for direct probation whether by direct recruitment or by promotion nsfer, grades from which is its composition which UPSC is to be recruited in making recruits will apply if any or by deputation/transfer promotion/transf/deputa- and percentage of vacan- tation to be made

8	9	10	11	12	13
No	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion: 100% by promotion of Computers (Key Punch Operator) with 5 years regular continuous service in the grade.	Group C Departmental Promotion Committee consisting of :—	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7
2. Machine Operator	3	General Central Service Group C (Non-Gazetted Non-Ministerial)	Rs. 330—560.	Non-Selection	21-30 years (Relaxable by 5 years in case of Government servants and further relaxable by 5 years in case of Government servants belonging to the Schedule Castes/the Schedule Tribes.)	Essential : (i) Degree in statistics or Mathematics or economics of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years experience in operating on German Democratic Republic Accounting Machines/Adding Machines/Comptometers/ Facit Calculators and partly on allied items of work like batch totalling, agreement of printed tabulations etc. Desirable : Diploma from Indian Statistical Institute or any such recognised Institutions in Mechanical Tabulations.

8	9	10	11	12	13
No	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Comptometer Operator with 5 years service in the grade.	Group C Departmental Promotion Committee consisting of :—	Not applicable

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1978

प्राप्ति

मा० का० फि० 932—कृषि विभाग में कानून विस्तृति (कार्य प्रवर्धन) भर्ती नियमों की 1978 में, जो कृषि नया नियम संवादालय के कृषि विभाग की 31-5-1978 की मध्या ए० 12018/6/77-स्था-1 द्वारा जारी व भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उत्कर्षण (i) में अप्रैली में प्रकाशित होने वाली, अधिमूल्यना की अनुसूची के स्तरम् 11 में प्रतिनियुक्ति / भवित्वा की बोलकों में दी गयी वर्तमान को “6 वर्ष” पकड़ा जाए।

[मा० ए० 12018/6/77-स्था-1]

टी० सी० बहूत, अवर सचिव

New Delhi, the 6th July, 1978

## CORRIGENDUM

**G.S.R. 932.**—In Column 11 of English version of the Schedule to the Department of Agriculture Junior Analyst (Work Study) Recruitment Rules, 1978, notified vide Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) notification No. A-12018/6/77-Estt. I dated 31-5-78 to be published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, the period of deputation/contract (in brackets) may be corrected to read as ‘6 years’.

[No. A. 12018/6/77-Ess. I]

T. C. BAHL, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1978

मा० का० फि० 933.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए, नारियल विकास निवेशालय (समूह ग और समूह घ पद) भर्ती नियम 1968 में संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथम्—

1. (1) इन नियमों का संबंधित नाम नारियल विकास, निवेशालय समूह ग और समूह घ पद भर्ती (संशोधन) नियम 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारियल को प्रदूष दूंगे।

2. नारियल विकास निवेशालय (समूह ग और समूह घ पद) भर्ती नियम, 1968 में निम्नलिखित नियम 4 का अन्तःस्थापित किया जाएगा—

“क. अपराधी के रूप में नियुक्त व्यक्तियों का होमगार्ड के रूप में प्रशिक्षण देने का वापिस्तव

इन नियमों में किसी बास के होते हुए भी इन नियमों के अधीन अपराधी के पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को 3 वर्ष के लिए होमगार्ड का प्रशिक्षण देना होगा।

परन्तु महान्मारेटा, होमगार्ड, प्रशिक्षण भी अवधि के दौरान किसी व्यक्ति के कार्य सम्बन्ध में प्रशिक्षण में प्राप्त मान-दण्ड को ध्यान में रखते हुए, ऐसी अवधि को घटा कर दो वर्ष कर देगा।”

3. इन नियमों की अनुसूची में—

(i) अपराधी के पद से संबंधित क्रम संख्या 12 के सामने स्तरम् 5, 11 और 12 की प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमानुसार निम्नलिखित प्रविष्टियों रखी जाएंगी, अर्थात्—

	(5)	(11)	(12)
196-3-200-EB- 3-232.	(i) 75% by direct recruitment. (ii) 25% by transfer of Sweepers, Farashes and Chowkidars (Watchmen) who have put in minimum of 5 years of service and who	75 प्रतिशत भोजी अन्नदारा परन्तु द्वारा भी क्रमानुसार प्राप्ति करने से जिन्होंने कम में कम 5 वर्ष सेवा की हो और जो प्रारंभिक रूप से साक्षर हो तथा या सो अप्रैली, या हिन्दी या कोंबोदी भाषा को पढ़ सकने का प्रमाण दे सकते हों।	
		[सं० 42-7/77-फ० ४-४] टी० पी० शर्मा, अवर सचिव	

New Delhi, the 6th July, 1978

**G.S.R. 933.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Nariyal Vikas Nideshalaya (Directorate of Coconut Development) (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1968, namely :—

1. (1) These rules may be called the Nariyal Vikas Nideshalaya (Directorate of Coconut Development) (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Nariyal Vikas Nideshalaya (Directorate of Coconut Development) (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1968, the following rule 4A shall be inserted namely :—

**“4A. LIABILITY OF PERSONS APPOINTED AS PEONS TO UNDERGO TRAINING AS HOME GUARDS**

Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years.

Provided that the Commandant General, Home Guards may, having regard to the performance and standard of training achieved by any person during the period of training reduce such period to two years.”

3. In the Schedule to the said rules,—

(i) against serial number 12 relating to the posts of peons, for the entries in column 5, 11 and 12, the following entries respectively be substituted, namely :—

	(5)	(11)	(12)
Rs. 196-3-200-EB- 3-232.	(i) 75% by direct recruitment. (ii) 25% by transfer of Sweepers, Farashes and Chowkidars (Watchmen) who have put in minimum of 5 years of service and who	Transfer: From Sweepers, Farashes and Chowkidars (Watchmen) who have put in mini mum of 5 years of service and who	

(4)

(11)

(12)

possess elementary literacy and give proof of ability to read either English or Hindi or Regional Language.

(J) यदि इस नियम के अधीन किसी पद पर प्रोफेशन के लिए उपर्युक्त प्राप्तिकारी उपलब्ध न हों तो वह पद इन नियमों का भाग 4 के अधीन सेवा आयोग के माध्यम से चयन द्वारा या इन नियमों के भाग 5 के अधीन प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा भवा जाएगा।"

[मा. 11/78-39/18/74-प्रशा००]

मुकेश चन्द, अब्रा० मन्त्रिमंत्री

[No. 42-7/77-CA. IV]

D. P. SHARMA, Under Secy.

(सिवाई विभाग)

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1978

सा० का० नि० 934.—गण्डुपति, सविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने सुन् केन्द्रीय जल इंजीनियरी (अर्थ 2) सेवा नियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय जलहर्जनियरी (समूह
- (ख) सेवा (संशोधन) नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदृश्य होंगे।
2. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (अर्थ 2) सेवा नियम, 1964 में,—
- (1) गवद और अंक "वर्ग 2" के स्थान पर जहाँ कहीं वे आए हों, गवद और अंक "समूह ब्लॉ" जहाँ जायेंगे,
- (2) गवद और अंक "केन्द्रीय जल और विधुत आयोग (जल पक्ष)" के स्थान पर जहाँ कहीं वे आए हों, गवद, "केन्द्रीय जल आयोग" रखें जायेंगे,
- (3) भाग 3 के नीचे नियम 13 के सामने, विद्यमान प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

"प्रोफेशन की विधि :

- (1) प्रोफेशन वारा सेवा में भर्ती मर्कार द्वारा गठित विभागीय प्रोफेशन समिति (समूह "ब") की सिफारिश पर, और जहाँ आवश्यक हो, सेवा आयोग के परामर्श से आवश्यक से निम्नलिखित श्रेणियों में नियोजित व्यक्तियों में से उनकी ज्येष्ठता का सम्मत ध्यान रखते हुए योग्यता के आधार पर चयन द्वारा की जाएगी, अर्थात्—
  - (क) डिजाइन सहायक (इंजीनियरी)
  - (ख) पर्यावरक और
  - (ग) सुख्ख नक्शानकारी;
- (2) उपर्युक्त श्रेणियों में आयोग में नियोजित कोई व्यक्ति उपनियम (1) के अधीन प्रोफेशन के लिए तब तक पाल नहीं होता जब तक कि उसके पास—
  - (क) किसी मान्यताप्राप्त विद्यविद्यालय की इंजीनियरी में उपाधि, या समतुल्य, न हो और जब तक कि उसने इन श्रेणियों में से एक या अधिक में, मनानक इंजीनियर की प्राप्तियाँ में, कम-से-कम तीन वर्ष नियतर सेवा न की हो।

या

- (ख) किसी मान्यताप्राप्त मंस्तक का इंजीनियरी में डिप्लोमा न हो और जब तक कि उसने इन श्रेणियों में से एक या अधिक में, कम-से-कम तीन वर्ष नियतर सेवा की न हो।

(Department of Irrigation)

New Delhi, the 11th July, 1978

**G.S.R. 934.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Water Engineering (Class II) Service Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Water Engineering (Group B) service (Amendment) rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Water Engineering (Class II) Service Rules, 1964,

(1) for the word and figure "Class II", wherever they occur, the word and letter "Group B" shall be substituted ;

(2) for the words and figures "Central Water and Power Commission (Water Wing)", wherever they occur, the words "Central Water Commission" shall be substituted ;

(3) against rule 13, under Part III, for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—

"Mode of Promotion :

(1) Recruitment to the Service by promotion shall be made on the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') constituted by the Government and where necessary, in consultation with the Service Commission, by selection on the basis of merit with due regard to seniority from amongst persons employed in the Commission in the following grades, namely :—

(a) Design Assistant (Engineering).

(b) Supervisor, and

(c) Head Draftsman.

(2) No person employed in the Commission in the above grades shall be eligible for promotion under sub-rule (1) unless he,—

(a) possesses a degree in engineering from a recognized university or equivalent and has rendered not less than 3 years continuous service in one or more of these grades in the capacity of a graduate engineer ;

OR

(b) possesses a diploma in Engineering from a recognized institution and has rendered not less than 7 years continuous service in one or more of these grades.

(3) If suitable officers are not available for promotion to any post under this rule, the post may be filled by selection through the Service Commission under Part IV of these rules or by transfer on deputation or transfer under Part V of these rules".

[No. 11/78-39/18/74-Adm. 1]  
MUKESH CHAND, Under Secy.

## (वायु विभाग)

नई विली, 14 जून, 1978

सा० का० नि० 935.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त एकितयों का प्रयोग करते हुए, भारतीय बीज भण्डार मंस्थान (अधीक्षक) भर्ती नियम, 1977 में श्रीर मंशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय बीज भण्डार मंस्थान (अधीक्षक) भर्ती (मंशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय बीज भण्डार मंस्थान (अधीक्षक) भर्ती नियम, 1977 में नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"5. नियम शिथिन करते की शर्कार—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षित है, वहाँ यह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें नेतृत्वद्वारा करने तथा मंष लोक सेवा प्रयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बावत आदेश द्वारा शिथिन कर सकेंगी।"

[सं० ए० 12015/3/76-E-०-VI]

चानन राम, अव० राजीव मन्त्री

## (Department of Food)

New Delhi, the 14th June, 1978

**G.S.R. 935.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Grain Storage Institute (Superintendent) Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Grain Storage Institute (Superintendent) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Grain Storage Institute (Superintendent) Recruitment Rules, 1977, for rule 5, the following rule shall be substituted, namely :—

"5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons."

[No. A. 12015/3/76-E. VI]

CHANAN RAM, Under Secy.

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई विली, 3 जुलाई, 1978

सा० का० नि० 936.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त एकितयों का प्रयोग करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना अधिकारी (नव ऊर्जा स्वोत) भर्ती नियम, 1976 में संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना अधिकारी (नव ऊर्जा स्वोत) भर्ती (मंशोधन) नियम 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना अधिकारी (नव ऊर्जा स्वोत) भर्ती नियम, 1976 में जहाँ बहुत भी 'परियोजना अधिकारी' शब्द आया है उसके स्थान पर 'निवेशक' शब्द रखा जाएगा।

[फा० सं० ए० 12018/22/75(vi) प्रशा०-I]

## (Department of Science and Technology)

New Delhi, the 3rd July, 1978

**G.S.R. 936.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Science and Technology [Project Officer (New Energy Sources)] Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Science and Technology [Project Officer (New Energy Sources)] Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Science and Technology [Project Officer (New Energy Sources)] Recruitment Rules, 1976, for the words "Project Officer" where they occur, the word "Director" shall be substituted.

[F. No. A-12018/22/75(vi)-Admn.I]

सा० का० नि० 937.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त एकितयों का प्रयोग करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (समूह 'क' वैज्ञानिक पद) पर भर्ती नियम, 1976 में संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (समूह 'क' वैज्ञानिक पद) भर्ती (मंशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग समूह 'क' के वैज्ञानिक पद भर्ती नियम 1976 की अनुसूची में, शीर्षक तथा क्रम संख्या 1 के स्थान पर 'विज्ञान वैज्ञानिक अधिकारी' शब्द के स्थान पर 'प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी' शब्द रखा जाएगा।

[फा० सं० ए० 12018/22/75-(vii) प्रशा०-I]

**G.S.R. 937.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Science and Technology (Group 'A' Scientific Posts) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Science and Technology (Group 'A' Scientific Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Science and Technology (Group 'A' Scientific Posts) Recruitment Rules, 1976, in the heading and in column 1 of serial No. 1, for the words "Senior Specialist", the words "Principal Scientific Officer" shall be substituted.

[F. No. A-12018/22/75-(vii)-Admn. I]

सा० का० नि० 938.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त एकितयों का प्रयोग करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग [विज्ञान (जल और वायु क्षात्रियी)] भर्ती नियम, 1977 में संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग [विज्ञान (जल और वायु क्षात्रियी)] भर्ती(संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग [विशेषज्ञ (जल और वायु क्षालिदी)] भर्ती नियम, 1977 में जहाँ कही भी 'विशेषज्ञ' शब्द आया है उसके स्थान पर 'ज्येष्ठ वातावरणीय अधिकारी' शब्द रखा जाएगा।

[फा० सं० ए-12018/22/75 (viii) प्रशा०]

**G.S.R. 938.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Science and Technology [Specialist (Water and Air Quality)] Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Science and Technology [Specialist (Water and Air Quality)] Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Science and Technology [Specialist (Water and Air Quality)] Recruitment Rules, 1977, for the word "Specialist" where it occurs, the words "Senior Environmental Officer" shall be substituted.

[F. No. A-12018/22/75(viii)-Admn.]

सा० का० नि० 939.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग [ज्येष्ठ वातावरणीय विशेषज्ञ (खनन)] भर्ती नियम, 1977 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग [ज्येष्ठ वातावरणीय विशेषज्ञ (खनन)] भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग [ज्येष्ठ वातावरणीय विशेषज्ञ (खनन)] भर्ती नियम, 1977 में जहाँ कही भी 'ज्येष्ठ वातावरणीय विशेषज्ञ' शब्द आया है उसके स्थान पर 'वातावरणीय अधिकारी' शब्द रखा जाएगा।

[फा० सं० ए-12018/22/75 (IX) प्रशा०]

एन०सी० चटर्जी, प्रब्रह्म सचिव

**G.S.R. 939.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Science and Technology [Senior Environmental Analyst (Mining)] Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Science and Technology [Senior Environmental Analyst (Mining)] Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Science and Technology, [Senior Environment Analyst (Mining)] Recruitment Rules, 1977, for the words "Senior Environment Analyst" where they occur, the words "Environmental Officer" shall be substituted.

[F. No. A-12018/22/75-(ix)-Admn. I]

N. C. CHATTERJEE, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1978

सा० का० नि० 940.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन भारतीय सर्वेक्षण में हिन्दी अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय सर्वेक्षण (हिन्दी अधिकारी), भर्ती नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संज्ञा, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संज्ञा, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपर्युक्त अनुसूची के स्तरम् 2 से 4 तक में विविदिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएँ आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उससे संबंधित अन्य आते वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तरम् 5 से 13 तक में विविदिष्ट हैं :—

4. निरर्देशाएँ :—शह अधिकार —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी अविल से विवाह किया हो;

उक्त पद पर नियुक्त का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाझान ही जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पथकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य अधिकार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रक्रियान्वयन से बूट दे सकेगी।

5. नियम विधिन करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो तो ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ लह, उसके लिए जो वायन है उन्हें लेखबद्ध ढंग के तथा सध सांक सेवा आवेदन से परामर्श करके, इन नियमों के किनी उपर्युक्त को किसी वर्ग या प्रवर्ग के अंतर्गत की वायन, आवेदन द्वारा, विधित करना अपेक्षित है।

6. व्यावधि :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आवधारों, आयु सीमा से छूट और अन्य विधियों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आवेदनों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपर्युक्त करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का साम	पर्वों की मंड्या	वर्गीकरण	बेनमान	चयन पद अथवा प्रत्ययन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले अधिकारीयों के लिए शैक्षिक और अन्य आहुताएं	सीधे भर्ती किये जाने वाले अधिकारीयों के लिए शैक्षिक और अन्य आहुताएं
1	2	3	4	5	6	7
हिन्दी अधिकारी	(एक)	साधारण केन्द्रीय सेवा, ममृह 'ख' राजपत्रित	650-30-740-35- 810-८०८०-३५- 880-40-1000- ८०८०-४०-१२०० श०	चयन	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के टिप्पण: आयु सीमा प्रवर्त्तित करने की निर्णयिक तारीख भारत में रहने वाले अधिकारीयों से (उनसे भिन्न जो अनुभान ममृह तथा लक्ष्मीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की प्रांतिम तारीख होगी।	आवश्यक:— (i) (क) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय की हिन्दी में, अथवा उपरी स्तर पर हिन्दी एक वैकल्पिक या अनिवार्य विषय के साथ अंग्रेजी में, मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (ख) संस्कृत में पर्याप्त जानकारी या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की ओर निकालार हीप- ममृह तथा लक्ष्मीप में रहते हैं) आवेदन के साथ, संस्कृत में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (ii) हिन्दी में शब्दावली कार्य की ओर/या श्रधिमानत, प्रौद्योगिक ओर वैज्ञानिक साहित्य का, अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद का पांच वर्ष का अनुभव। अहेतुग, अन्यथा अहेतु अधिकारीयों की दशा में संघ लौक सेवा आयोग के विवेकानन्दार प्रियित की जा सकती है, विषेष रूप से अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों ओर अनुसूचित जनजातियों के अधिकारीयों की दशा में, उनके लिए आरक्षित पर्वों के लिए, प्रियित की जा सकती है।
					यांछनीय: (i) पत्रकारिता का अनुभव और लौक संबंध कार्य में रुक्षान। (ii) किसी अन्य आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान।	
सीधे भर्ती किये जाने वाले अधिकारीयों के अवधि यदि कोई है तो विवित आयु और जैक्षिक अहेतुग प्रोफ्रेशन की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवेशका की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण प्रोफ्रेशन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में विभिन्न जिनसे प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/ पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली स्थानान्तरण किया जाएगा रिक्तियों की प्रतिशतता	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण प्रोफ्रेशन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में विभिन्न जिनसे प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/ पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोफ्रेशन समिति भर्ती करने में किन ही तमकी संरचना संघ लौक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा			
8	9	10	11	12	13	
नहीं	2 वर्ष	प्रोफ्रेशन द्वारा जिसके न हो सकते प्रोफ्रेशन:	हिन्दी अनुशासक जिन्होंने उम्मीदी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात, आठ वर्ष सेवा की हो।	ममृह 'ख' विभागीय प्रोफ्रेशन समिति— 1. संघ लौक सेवा आयोग का सदस्य—प्रधान 2. भारतीय महा सर्वेक्षक —सदस्य 3. उप महा सर्वेक्षक (प्रशासन) —सदस्य 4. निदेशक (बारी बारी)— —सदस्य 5. समृह 'क' का ज्येष्ठतम अनुसूचित जाति का अधिकारी —सदस्य	सीधे भर्ती करते समय संघ लौक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है। —प्रधान —सर्वेक्षक —सदस्य	

New Delhi, the 10th July, 1978

**G.S.R. 940.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Hindi Officer in the Survey of India, under the Department of Science and Technology, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called Survey of India (Hindi Officer) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Hindi Officer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Govt. servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	<p>Essential :</p> <p>(i) Master's degree of a recognised University or equivalent in Hindi or in English with Hindi as an elective or compulsory subject at Degree level.</p> <p>(b) Adequate grounding in Sanskrit.</p> <p>Or</p> <p>Master's degree of a recognised University or equivalent in Sanskrit with Hindi and English as elective or compulsory subjects at the degree level.</p> <p>(ii) 5 years' experience of terminological work in Hindi and/or translation work from English to Hindi and vice versa, preferably of technical and scientific literature.</p> <p>(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well-qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for posts reserved for them).</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Journalistic experience and aptitude for public relation work;</p> <p>(ii) Knowledge of any other modern Indian language.</p>

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotedees	Period of probation, if any	Method of rectt, whether by direct rectt, or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt, by promotion / deputation / transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted making recruitment.
8	9	10	11	12	13
No	2 years	By Promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Hindi Translators with 8 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	1. Member of the UPSC —Chairman. 2. Surveyor General of India—Member 3. Deputy Surveyor General (Admn.) —Member 4. Director (by rotation) —Member 5. Seniormost SC Officer of Group 'A'—Member	Consultation with the Union Public Service Commission will be necessary while making direct recruitment.

[No. 1(57)/76-SMP.I]

नई दिल्ली, 11 जूलाई, 1978

सा० का० नि० 941.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु वाग्र प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय सर्वेक्षण श्रेणी 2 (भर्ती) नियमों, 1962 में और संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों को भारतीय सर्वेक्षण श्रेणी 2 (भर्ती) संशोधन नियम, 1978 कहा जाएगा।

(2) पैरा 5 के उपर्युक्त (1) तथा इसके परन्तु के स्थान पर निम्नलिखित उपर्युक्त तथा परन्तु को ग्राहा जाएगा, अर्थात्—

“उपर्युक्त सर्वेक्षकों के वर्ग को छोड़ कर वर्ग 'क' सेवा में सभी पदों का 25% वर्ग 'ख' अधिकारियों की पदोन्नति के वाग्र भरा जाएगा।

बग्नें कि 25% से अधिक पदों को भी वर्ग 'ख' अधिकारियों द्वारा केवल उसी स्थिति में भरा जाएगा यदि पदोन्नति के लिए वर्ग 'क' उपर्युक्त अधिकारी उपलब्ध नहीं होंगे।”

[फाइल सं० 1 (16)/78-एम०एम०पी० I]

टी० एल० श्रीविनायन, श्रवण मन्त्री

New Delhi, the 11th July, 1978

G.S.R. 941.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Survey of India Class II (Recruitment) Rules, 1962, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Survey of India Class II (Recruitment) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Survey of India Class II (Recruitment) Rules, 1962, in Appendix I, for sub-paragraph (1) of paragraph 5 and the proviso thereto, the following sub-paragraph and proviso shall be substituted, namely :—

“25 per cent of all posts in Group 'A' Service less those in the Deputy Superintending Surveyors Grade shall be filled by promotion of Group 'B' officers :

Provided that posts in excess of 25 per cent shall also be filled by Group 'B' officers only if suitable Group 'A' officers are not available for promotion.”

[File No. 1(16)/78-SMP. I]  
T. L. VISWANATHAN, Under Secy.

### नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 8 जूलाई, 1978

सा०का०लि० 942.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठि न धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मारमुगाव पत्तन के न्यासी-मण्डल द्वारा निर्मित और गोदा, वमन और दीव सरकार के तारीख 16 फरवरी, 1978 और 23 फरवरी, 1978 के राजपत्र में प्रकाशित मारमुगाव पत्तन कर्मचारी (पेशन और बेच्चुटी) (संशोधन) विनियम, 1978 का अनुमोदन करती है।

[मं० पी० ई० जी० (12)/78]

### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 4th July, 1978

G.S.R. 942.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 124, read with subsection (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Central Government hereby approve of the Mormugao Port Employees' (Pension and Gratuity) (Amendment) Regulations, 1978 made by the Board of Trustees of the Port of Mormugao in exercise of the powers conferred by section 28, read with subsection (2) of section 124 of the said Act and published in the Goa, Daman and Diu Government Gazette dated the 16th and the 23rd February, 1978.

[No. PEG(12)/78]

ਨਾਈ ਕਿਲ੍ਹੀ, 10 ਜੁਲਾਈ, 1978

साठोकांपिं ९४३.—गवर्नर्सन, संविधान के अनुच्छेद ३०५ के प्रयत्नक द्वारा प्रवत् शक्तियों का प्रयोग करने हुए नीबहन और परिवर्तन मांत्रिय के प्रधानन्त्र संगलीय बद्दशाह में क्षेमाम-प्रवंभिन्नर के पद पर भर्ती को पत्रित की वित्तियां मिल करने वाले निम्नलिखित तियम बनाते हैं, अर्थात्—

- मंथित नाम और प्राप्ति:—(1) इन नियमों का मंथित नाम ये मगजीर बन्दरगाह (चूंगे-वैन-परिचय) भर्ती नियम, 1978 है।  
(2) ये भारतवर्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रबूल होंगे।
  - पृष्ठ संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपलब्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
  - भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अहंताग आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहंताग और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोंका अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं;

परन्तु विहित प्रधानकार्यम् आयु सीमा, केन्द्रीय मरकार द्वारा समय-प्रयत्न परं जारी किए गए साधारण आदेशों के अनुसार अनुमूलिक जानियों, अनुमूलिक जनजातियों और अन्य विषेश प्रबर्गों के प्रस्तुतियों के मामले में शिखिल की जा सकेगी।

#### 4 निरर्झनाएः : वह व्यक्ति---

- (क) जिसने गेसे घटक से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या  
 (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी घटक से विवाह किया हो, उसके पद पर नियमित का पाव नहीं होगा।

परन्तु यहाँ केन्द्रीय संस्कार का ममाधान हो जाए कि पेमा विचाह में स्थविर और विचाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन है और पेमा करने के लिए अन्य प्राधार भौजद हैं तो वह किसी स्थविर को इस नियम के प्रबन्धन से छुट्ट दे सकेगी।

6. व्यावर्ति:—इन नियमों की कोई भी आत ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं आतेगी, जिनमा केंद्रीय मण्डाल द्वारा इस संबंध में ममम-ममय पर निकाल गए प्रादेशों के अनुसार अनुसूचित आनियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अनिवार्य है।

四

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेननमान	चयन पद अधिकार अन्तर्याली पद	मीठी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों वाले व्यक्तियों के लिए के लिए शैक्षिक और धार्य अर्हताएँ आयु-सीमा	
1	2	3	4	5	6	7
भूइमार-एवं-परिचर	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ध'	196-3-220-द-रो- 3-232 रुपये	लागू नहीं होता	18 और 25 वर्ष के बीच। टिप्पणी : आयु सीमा अवधारित करने की निरायिक तारीख भारत में रहने वाले अध्ययिणों से (उनसे भिन्न जो अंडमान और निको- बार द्वीप समूह तथा लकड़ीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होती। ऐसे पदों की आवश्यकता, जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, निरायिक तारीख वह तारीख होती जिस तक रोज- गार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	( 1 ) मिश्निल पास ( 2 ) कार्य में कम से कम एक वर्ष का अनुभव।

सीधी भर्ती किए जाने परिवेश और शब्दिका शाने ध्यक्तियों के बद्दि कोई हो।	भर्ती की पठणी/कर्मी ईवे रोना गा प्रत्येक द्वारा गत्रा विविध/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विविध पद्धियों द्वारा भर्ती जाने वाली प्रोफेशन की दशा में लागू होती या नहीं	प्रत्येक वर्तित्यकार्यान्वयन द्वारा भर्ती की दणा में वै विविध जिनमें प्राकृति/प्राकृतियों/वा- प्राकृतियों की प्रतिक्रिया	प्रोफेशन सर्वान्वयन द्वारा भर्ती की दणा में वै विविध जिनमें प्राकृति/प्राकृतियों/वा- प्राकृतियों की प्रतिक्रिया	प्राकृति के किन परिविधियों में संधि सेवक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा।
8	9	10	11	12
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	ममह '1' विधायीय प्रोफेशन गमिति (सीधी भर्ती के पुष्टिकरण के लिए) विपर्ये निम्नलिखित होते :—
				( 1 ) मुख्य अधियंता और प्रशासन—प्रध्याय ( 2 ) स्थानस्थ्य अधिकारी एवं सहायक मंत्रीन — सदस्य ( 3 ) विनीय मानवान्कार और मुख्य पैदाचारा अधिकारी कारी—सदस्य ( 4 ) ग्राम केन्द्रीय सरकारी विभाग की सोई अधिकारी कारी—सदस्य। ( 5 ) मर्जित—सदस्य मन्त्रित
				13

ਸਿੰਹ ਪੀੰਡੀ ਫਿੱਲਮ ੧੦-੫/੭੮।

दीक्षान चन्द्र अहीर, सूत्र मचिव

New Delhi, the 10th July, 1978

**G.S.R. 943.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Rat Catcher-cum/Attendant, in the Port of New Mangalore under the Ministry of Shipping and Transport, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Port of New Mangalore (Rat Catcher-cum-Attendant) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to the

Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders issued by the Central Government from time to time.

**4. Disqualifications.—No person—**

(a) who has entered into or contracted a marriage with  
a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Rat Catcher-cum-Attendant	2	General Service Group 'D'	Central Rs. 196-3-220-EB- 3-232.	Not applicable	Between 18 and 25 years.  Note : The crucial date for determining the age limit will be the closing date for receipt of applications from Candidates in India (other than the union territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In the case of recruitment through the Employment Exchange, the crucial date will be the last date upto which the Employment Exchanges are required to submit the names.	(1) Middle Standard Pass. (2) Atleast one year's experience in the job.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by deputation/transfer/promotion/direct recruitment and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which UFSC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee (of or confirmation of direct recruits consisting of :— (1) Chief Engineer and Administration—Chairman (2) Health Officer-cum-Assistant Surgeon—Member. (3) Financial Advisor and Chief Accounts Officer—Member. (4) An Officer from other Central Government Department—Member. (5) Secretary—Member, Secretary.	Not applicable	

## निर्माण और आवास संबंधी

(निर्माण प्रबन्ध)

नई दिल्ली, 30 जून, 1978

सांख्या०नि० 944.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) निर्माण महायक और सड़क निरीक्षक भर्ती नियम, 1970 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधारतः—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) निर्माण महायक और सड़क निरीक्षक भर्ती नियम, 1978 है।

2. केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) निर्माण महायक और सड़क निरीक्षक भर्ती नियम 1970 में—

(क) निर्माण महायक के पदके सामने—

(i) स्तम्भ 4 में का प्रविष्टि के स्थान पर, "260-8-300-द०रो० 8-340-10-380-द०रो० 10-430" प्रविष्टि रखी जाएगी।

(ii) स्तम्भ 11 में, शब्द "एक अलग विभागीय परीक्षा (संदात्तिक और अव्याहारिक भी होगी)" के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखी जाएगी, अधारत्—"एक अलग विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (संदात्तिक और अव्याहारिक) भी होगी। पक्ष पर नियुक्त किए जाने के लिए किसी अधिक का अवन कर्मचारी वन्द के उपरोक्त प्रवगाँ में से परीक्षा में उनकी योग्यता के आधार पर किया जाएगा।"

(च) सड़क निरीक्षक के पत्र के सामने, स्तम्भ 4 में की प्रविष्टि के स्थान पर, "260-8-300-द०रो०-8-340-10-380-द०रो०-10-430" स्थान पर नियुक्त किया जाएगा।

[सं० 33/1/78-ई०सी०बी०]

एम० मुखर्जी, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

## MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Works Division)

New Delhi, the 30th June, 1978

G.S.R. 944.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Central Public Works Department (Subordinate offices) Work Assistants and Road Inspectors Recruitment Rules, 1970, namely :—

1. These rules may be called the C.P.W.D. (Subordinate Offices) Works Assistant and Road Inspector Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Schedule to the C.P.W.D. (Subordinate Offices) Work Assistant and Road Inspector Recruitment Rules, 1970—

(a) against the post of Work Assistant—

(i) for the entry, in Col. 4, the entry "Rs. 260-8-300-EB-8-340-10-380-EB-10-430" shall be substituted,

(ii) for the words in Col. 11, "A separate departmental test (theoretical and practical) will also be held", the following words shall be substituted, namely :—

"A separate competitive Departmental Test (theoretical and practical) will also be held. The person for appointment to the post will be selected from amongst the above categories of staff on the basis of their merit in the Test."

(b) against the post of Road Inspector, for the entry in column 4, the entry, "Rs. 260-8-300-EB-8-340-10-380-EB-10-430" shall be substituted.

[No. 33/1/78 ECV]

S. MUKHERJEE, Section Officer (Special)

## सूचना और प्रसारण संबंधी

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1978

सांख्या०नि० 945.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेवा विज्ञापन और दृश्य प्रस्ताव इंद्रीय संसद्य (बर्य 3) भर्ती नियम 1962 का, जहा तक उनका सम्बन्ध प्रदर्शनी सहायक के पद से है, अधिकमण करते हुए, विज्ञापन और दृश्य प्रस्ताव निवेशालय में ब्रदर्शनी सहायक पद पर भर्ती की पद्धति विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अधारतः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का नाम विज्ञापन और दृश्य प्रस्ताव निवेशालय (ब्रदर्शनी सहायक) भर्ती नियम, 1978 है।  
(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबूत होगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमात्रा :—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे संबंधित वेतनमात्रा यह होगा जो इससे अधिक अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक को प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-मीमा, अर्हता, आविदः—भर्ती की पद्धति, आयु-मीमा, अर्हता और इन पदों से मंबद्धित अन्य वाले वे होंगे जो अनुबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट है।

4. अनुदृष्टाएः—जहा दृश्यक्रिया—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिमका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे अकित और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू सर्वोय विधि के अधीन अनुज्ञा है और ऐसा करने के लिए अन्य प्राधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के विरोध से छुट दे सकता।

5. नियम विधिमय करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार का राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षान है वहाँ वह, उसके बिना जो कारण है उन्हें लिपिबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रबंग के व्यक्तियों की आवश्यकता नहीं।

6. अपवृत्ति—इन नियमों की कोई भी वात प्रिये आश्रयणों और अन्य गिरजादो पर प्रभाव नहीं होते। जिनका, केवल सरकार द्वारा हम संबंध में अन्य-यथा पर नियत गए आदेशों के अनुसार प्रत्यक्षित जागीरों, अप्रसुचित जनजातियों और अन्य विषेष प्रत्यारोगों के लिए उपबन्ध करना अधिकृत है।

[फा० सं० ए-१२०१४/ १/७७-प्रस्ट-II/प्रस्तुती ० (ए) ]

सुरेन्द्र कमार शर्मा, उप सचिव.

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi the 12th July 1978

**G.S.R. 945.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and super-session of the Directorate of Advertising & Visual Publicity (Class III posts) Recruitment Rules, 1962 in so far as they relate to the post of Exhibition Assistant, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Exhibition Assistant in the Directorate of Advertising & Visual Publicity, namely:—

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Directorate of Advertising and Visual Publicity (Exhibition Assistant) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

#### **4. Disqualification.—No person,—**

(a) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, or

(b) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, appointment to the said post shall be eligible for provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may,

by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age Limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Exhibition Assistant	40	General Central Services Group 'C' Non-Ministerial Non-Gazetted	Rs. 425-15-500- EB-15-560-20-700	Selection	Between 22 and 20 years.  Note 1. The crucial date for determining the age limit mentioned in column 6 of the Recruitment Rules will in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts the appointment to which are made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit will, in each case, be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : (i) B.A. of a recognised University or its equivalent. (ii) About two years experience of publicity work, preferably through Exhibition Medium.  Desirable : Knowledge of more than one language.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotedees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
No	Two years	25% by promotion 75% by direct recruitment	Projectionists of the Directorate with five years service in the grade.	Departmental Promotion Committee for Group 'C' posts consisting of Chief Exhibition Officer, Chairman, Deputy Director (Administration) and Exhibition Officer—(Members).	Not applicable	

## पर्षदन और नागर विमान संग्रहालय

तई दिल्ली, 17 जुलाई, 1978

सांख्यिकीय 946.—वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की आरा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित कुछ प्रस्तावित नियमों के प्रारूप उन सभी अधिकारियों की सुविधा के लिए प्रकाशित करती है जिनके इनसे प्रभावित होने की संभावना है, और एतद्वारा नीटिम दिया जाता है कि सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तरीके से तीन महीने को अवधि बीत जाने पर या उसके बाद उस प्रारूप पर विचार किया जाएगा।

2. इस तरह नियम की गई अवधि भीने से पहले उस प्रारूप के बारे में किसी भी व्यक्ति से प्राप्त आपत्ति या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

## (नियमों का प्रारूप)

1. ये नियम वायुयान (संशोधन) नियमावली, 1978 कहलाएंगे।
2. ये —————— 1978 से लागू होंगे।

3. वायुयान नियम, 1937 (जिन्हें इसके बाद उसके नियम कहा गया है) की अनुसूची 5 में छंड "ग" और उसके नीचे दी गयी विविधियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधियां प्रसिद्धिपूर्ण की जाएंगी, अर्थात्,

"छंड ग—मार्ग निर्देशन सुविधाएँ प्रभारों के लिए टैगिंग (नियम 82 वें)।

1. मार्ग निर्देशन सुविधाएँ प्रदान करने के प्रभाव निम्न प्रकार होंगे—  
(1) बम्बई, कलकत्ता, मद्रास और विल्सन विमानक्षेत्रों पर उत्तरने वाली अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानें।

## वायुयान का कुल भार

प्रत्येक  
अवतरण के  
लिए प्रभार

रुपये

2,000 कि० ग्राम से अनधिक	20
2,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 5,000 कि० ग्राम से अनधिक	50
5,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 10,000 कि० ग्राम से अनधिक	190
10,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 15,000 कि० ग्राम से अनधिक	300
15,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 30,000 कि० ग्राम से अनधिक	625
30,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 60,000 कि० ग्राम से अनधिक	1125
60,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 1,00,000 कि० ग्राम से अनधिक	2250
1,00,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 1,65,000 कि० ग्राम से अनधिक	2800
1,65,000 कि० ग्राम से अधिक	4000

बण्टें कि 60,000 कि० ग्राम से अधिक भार वाले वायुयान को यदि वह भारतीय उड़ान सूचना थोक (क्षेत्रों) के ऊपर से 500 कि० मीटर या कम उड़ान करता है तो उसे मार्ग निर्देशन सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रत्येक अवतरण के लिए केवल 1400 रुपये की दर से अदायगी करनी होगी।

## (2) अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानें (आंतरराष्ट्रीय)

## वायुयान का कुल भार

प्रभार

2,000 कि० ग्राम से अनधिक	20
2,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 5,000 कि० ग्राम से अनधिक	50
5,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 10,000 कि० ग्राम से अनधिक	190
10,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 15,000 कि० ग्राम से अनधिक	300
15,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 30,000 कि० ग्राम से अनधिक	625
30,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 60,000 कि० ग्राम से अनधिक	1125
60,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 1,00,000 कि० ग्राम से अनधिक	2250
1,00,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 1,65,000 कि० ग्राम से अनधिक	2800
1,65,000 कि० ग्राम से अधिक	4000

बण्टें कि 60,000 कि० ग्राम से अधिक भार वाले वायुयान को यदि वह भारतीय उड़ान सूचना थोक (क्षेत्रों) के ऊपर से 500 कि० मीटर या कम उड़ान करता है तो उसे मार्ग निर्देशन सुविधाएँ प्रदान करने के लिए केवल 1400 रुपये की दर से अदायगी करनी होगी।

- (3) बम्बई, कलकत्ता, मद्रास और विल्सन विमान-क्षेत्रों पर उत्तरने वाली अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानें से इनर उड़ानें।

## विमान का कुल भार

प्रत्येक  
अवतरण के  
लिए प्रभार

रुपये

2,000 कि० ग्राम से अनधिक	15
2,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 5,000 कि० ग्राम से अनधिक	40
5,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 10,000 कि० ग्राम से अनधिक	150
10,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 15,000 कि० ग्राम से अनधिक	250
15,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 30,000 कि० ग्राम से अनधिक	500
30,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 60,000 कि० ग्राम से अनधिक	900
60,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 1,00,000 कि० ग्राम से अनधिक	1800
1,00,000 कि० ग्राम से अधिक परन्तु 1,65,000 कि० ग्राम से अनधिक	2250
1,65,000 कि० ग्राम से अधिक	3200

बण्टें कि 60,000 कि० ग्राम से अधिक भार वाले वायुयान को यदि वह भारतीय उड़ान सूचना थोक (क्षेत्रों) के ऊपर से 500 कि० मीटर या कम उड़ान करता है तो उसे मार्ग निर्देशन सुविधाएँ प्रदान करने के लिए केवल 1400 रुपये की दर से अदायगी करनी होगी।

(4) अन्य विमान-सेक्टोरों पर उत्तरने वाले वायुयानों के लिए वायुयान के कुल भार के प्रति 1,000 कि.मी. ग्राम या उसके भाग के लिए 4.00 रुपए।

2 मार्ग निर्देशन सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रभागों का आकलन करने के प्रयोजनार्थ एक विमान का अधिकतम अनुमत उड़ान भार ही उसका कुल भार होगा जैसा कि पंजीकरण करने वाले ग्राम के विनियमों के अन्तर्गत, उसके उड़न-योग्यता प्रमाण-पत्र में विविदिष्ट है।

3. दिन के प्रकाश में की गयी किसी भी उड़ान की जिसकी पूर्व सूचना विमान-सेक्टर अधिकारी को दे दी गयी ही तथा जो केवलमात्र वायुयान और इसके उपकरणों की आकाश में प्रयोज्यता का पता लगाने के प्रयोजन से ही की गयी हो, एक जांच उड़ान (टैच्ट फ्लाइट) समझा जाएगा और उसे मार्ग निर्देशन सुविधाओं के प्रभागों की अदायगी से छूट दी जाएगी।

4. किसी भी ऐसी उड़ान के प्रभाग, जिसकी पूर्व सूचना विमान-सेक्टर अधिकारी को दे दी गयी ही और जो प्रशिक्षण के लिए की गयी हो, इस खंड के पैरा 1 के उप परा (3) व (4) में निर्विष्ट दरों के 50 प्रतिशत या प्रत्येक अवरण के लिए 600.00 रुपए, जो भी कम हो, होंगे।

5. पैरा 3 व 4 में निर्विष्ट वायुयान से इतर वायुयान के लिए, जो अन्य विमान-सेक्टर पर उत्तरे बिना उसी विमान-सेक्टर पर उत्तरता है, प्रभार यथास्थिति इस खंड के पैरा 1 के उप-पैरा (1), (3) व (4) में निर्विष्ट दरों के 50% होंगे।

6. इस खंड में किसी वाल के होने हुए भी, महानिवेशक वी० ग्राई० वी० उड़ानों मानवतावादी या आपालकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए की जाने वाली उड़ानों या ऐसी ही अन्य उड़ानों को मार्ग निर्देशन सुविधा प्रभागों की अदायगी से छूट दे सकते हैं।

7. प्रभागों की अदायगी नीचे दिए गए समय पर की जाएगी :

(क) अनुसूचित नियमित प्रयोक्ता

(1) नियम 134 के उप-नियम (1) या (2) के अन्तर्गत अनुसूचित विमान परिवहन सेवाओं का परिचालन करने वाले समस्त विमान परिवहन उद्यम—जिस महीने में बिल प्राप्त हुआ हो उससे अगले महीने की 10 तारीख से पहले-पहले या बिल प्राप्त होने के 15 दिनों के अन्दर-अन्दर जो भी बाद में हो।

(2) राज्य सरकारें तथा प्रांतीय कलब : जिस महीने में बिल प्राप्त हुआ हो उससे अगले महीने की 10 तारीख से पहले-पहले या बिल प्राप्त होने के 15 दिनों के अन्दर-अन्दर, जो भी बाद में हो।

(ख) अन्य नियमित प्रयोक्ता

ऐसे विमान परिवहन उद्यम जो भारत के ही अन्दर परिचालन करते हैं तथा जिनके व्यापार का प्रमुख स्थल भारत में है—बिल प्राप्त होने की तारीख से 15 दिनों के अन्वर-अन्वर।

(ग) आकस्मिक प्रयोक्ता तथा खंड (क) व (ख) के अन्तर्गत न आने वाले प्रयोक्ता—भारत में उत्तरने वाले वायुयान के मामले में, उसके विमान-सेक्टर से रवाना होने से पहले-पहले । भारत के ऊपर से उड़ान करने वाले वायुयान के मामले, में बिल प्राप्त होने की तारीख से 60 दिनों के अन्वर-अन्वर।

टिप्पणी 1 :—यदि अदायगी पैरा 7 में निर्विष्ट अवधि के अन्वर-अन्वर नहीं की जाएगी, तो प्रति मास या उस महीने के भाग के लिए 1 प्रतिशत की दर से व्याज लगाया जाएगा तथा अनिवार्य भार के रूप में बहुल किया जाएगा।

टिप्पणी 2 :—इस खंड में “अन्तर्राष्ट्रीय उड़ान” का आमत एक देसी उड़ान से है जिसमें प्रस्थान का अंतिम स्थान भारत के भू-भाग की सीमाओं से बाहर है।

[फा० सं० ए० वी० 11012/16/76-ए]  
प्रम० एकाम्बरम्, उप मंत्रिः

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th July, 1978

G.S.R. 946.—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government propose to make, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22nd of 1934), is hereby published for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of three months from the date of publication of this notification in the official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

### DRAFT RULES

1. These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 1978.

2. They shall come into force on the ..... 1978.

3. In the Aircraft Rules, 1937 (hereinafter referred to as the said rules) in Schedule V, for section C and the entries thereunder, the following shall be substituted, namely :

“Section C—Tariff for route navigation facilities Charges.”  
(see rule 82)

1. The charges for providing route navigation facilities shall be as follows :—

(i) International flights landing at Bombay, Calcutta, Madras and Delhi airports.

Total weight of aircraft	Charges for each landing
Not exceeding 2,000 kgs.	Rs. 20
Over 2,000 kgs. but not exceeding 5,000 kgs.	50
Over 5,000 kgs. but not exceeding 10,000 kgs.	190
Over 10,000 kgs. but not exceeding 15,000 kgs.	300
Over 15,000 kgs. but not exceeding 30,000 kgs.	625
Over 30,000 kgs. but not exceeding 60,000 kgs.	1125
Over 60,000 kgs. but not exceeding 1,00,000 kgs.	2250
Over 1,00,000 kgs. but not exceeding 1,65,000 kgs.	2800
Exceeding 1,65,000 kgs.	4000

Provided that aircraft exceeding a total weight of 60,000 kgs. shall pay charges for providing route navigation facilities at the rate of Rs. 1,400.00 for each landing if the distance flown over Indian Flight Information region(s) is 500 kms. or less.

## (ii) International flights (overflying)

Total weight of aircraft	Charges
	Rs.
Not exceeding 2,000 kgs.	20
Over 2,000 kgs. but not exceeding 5,000 kgs.	50
Over 5,000 kgs. but not exceeding 10,000 kgs.	190
Over 10,000 kgs. but not exceeding 15,000 kgs.	300
Over 15,000 kgs. but not exceeding 30,000 kgs.	625
Over 30,000 kgs. but not exceeding 60,000 kgs.	1125
Over 60,000 kgs. but not exceeding 1,00,000 kgs.	2250
Over 1,00,000 kgs. but not exceeding 1,65,000 kgs.	2800
Exceeding 1,65,000 kgs.	4000

Provided that aircraft exceeding a total weight of 60,000 kgs. shall pay charges for providing route navigation facilities at the rate of Rs. 1,400.00 only if the distance flown over Indian Flight Information region(s) is 500 kms. or less.

## (iii) Flights other than international flights landing at Bombay, Calcutta, Madras and Delhi airports.

Total weight of aircraft	Charges
	for each landing
	Rs.
Not exceeding 2,000 kgs.	15
Over 2,000 kgs. but not exceeding 5,000 kgs.	40
Over 5,000 kgs. but not exceeding 10,000 kgs.	150
Over 10,000 kgs. but not exceeding 15,000 kgs.	250
Over 15,000 kgs. but not exceeding 30,000 kgs.	500
Over 30,000 kgs. but not exceeding 60,000 kgs.	900
Over 60,000 kgs. but not exceeding 1,00,000 kgs.	1800
Over 1,00,000 kgs. but not exceeding 1,65,000 kgs	2250
Exceeding 1,65,000 kgs.	3200

Provided that aircraft exceeding a total weight of 60,000 kgs. shall pay charges for providing route navigation facilities at the rate of Rs. 1,400.00 only for each landing if the distance flown over Indian Flight Information region(s) is 500 kms. or less.

## (iv) For aircraft landing at other aerodromes.

Rs. 4.00 per 1,000 kgs. of total weight of aircraft or part thereof.

2. For purpose of assessing charges for providing route navigation facilities the total weight of an aircraft shall be the maximum permissible take-off weight as specified in the Certificate of Airworthiness under the regulations of the State in which aircraft is registered.

3. Any flight during the hours of day light of which prior notice is given to the Aerodrome Officer and which is undertaken solely for the purpose of ascertaining the serviceability in the air of the aircraft and its equipment shall be deemed to be a test flight and shall be exempted from the payment of charges for route navigation facilities.

4. Charges for any flight of which prior notice is given to the Aerodrome Officer and which is undertaken for the purpose of training shall be at 50% of the rates specified in sub-paragraphs (iii) and (iv) of paragraph 1 of this section, as the case may be, or Rs. 600.00 for each landing whichever is less.

5. For an aircraft other than those referred of in paragraphs 3 and 4 landing at the same aerodrome without landing at other aerodrome, the charges shall be 50% of the rates specified in sub-paragraphs (i), (iii) and (iv) of paragraph 1 of this section, as the case may be.

6. Notwithstanding anything in this Section, the Director General may exempt VIP flights, flights for the purpose of meeting humanitarian or emergency needs or other such similar flights, from payment of route navigation facilities charges.

7. The charges will be due for payment at the time stated below :

## (a) Approved regular users :

(i) All air transport undertakings operating scheduled air transport services under sub-rule (1) or (2) of rule 134—Not later than the 10th of the month following the month of receipt of the bill or within 15 days of receipt of the bill whichever is later.

(ii) State Governments and Flying Clubs—Not later than the 10th of the month following the month of receipt of the bill or within 15 days of receipt of the bill whichever is later.

## (b) Other regular users :

Air transport undertakings that operate within India and whose principal place of business is in India—Within 15 days from the date of receipt of the bill.

(c) casual users and users other than those in clauses (a) and (b)—In the case of aircraft landing in India, before its departure from the aerodrome. In the case of aircraft overflying India, within sixty days from the date of receipt of bills.

Note 1 : If payment is not made within the period specified in paragraph 7, interest at the rate of 1 per cent per month or part of a month shall be levied and recovered as an additional charge.

Note 2 : The expression 'International flight' in this Section shall mean a flight in which the last point of departure is outside the territorial limits of India.

[F. No. AV. 11012/16/76-A]

S. EKAMBARAM, Dy. Secy.

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1978

स्तरों का० निं० 947.—उपदान संवाद्य अधिनियम, 1972 (1972 का 39)

की धारा 15 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उपदान संवाद्य (केन्द्रीय) नियम, 1972 और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथमतः—

1. (1) इन नियमों का नाम उपदान संवाद्य (केन्द्रीय) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. उपदान संवाद्य (केन्द्रीय) नियम, 1972 में,

(क) प्रलॡ "एस" में "30 दिन के अन्दर" शब्दों और अंकों के स्थान पर "15 दिन के अन्दर" शब्दों और अंकों को रखा जायेगा।"

[फा० संख्या एस० 70022/1/77-एफ० पी० जी०]

हंस राज छाबड़ा, उप-सचिव

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 10th July, 1978

G.S.R. 947.—In exercise of powers conferred by Sub-Section (1) of Section 15 of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972), the Central Government hereby makes the

following Rules to further amend the Payment of Gratuity (Central) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Payment of Gratuity (Central) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

## 2. In the payment of Gratuity (Central) Rules, 1972.

(a) In Form 'S' for the words and figures "within 30 days" the words and figures "within 15 days" shall be substituted.

[F. No. S. 70022(1)/77-FPG]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1978

सांख्यिकीय नियम 948.—संचिद श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) केन्द्रीय नियम, 1971 में और संशोधन करने के लिए कलिपय नियमों का प्रारूप, जैसा कि संचिद श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 (1970 का 37) की धारा 35 की उपधारा (i) में अधिनियम है, भारत सरकार के थाम मंत्रालय का अधिकूचन संघ भा० का० नि० 3241, तारीख 13 अगस्त, 1976 के प्रत्यन्तम तारीख 4 मित्स्वर, 1976 के भारत के राजपत्र, भाग-2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) के पृ० 2981, 2982 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उससे प्रभावित होने वाले सभी अधिनियमों से उक्त प्रधिकूचन के राजपत्र में प्रदान की तारीख में वैश्वलोक वित के बीच प्रारंभ और सुमात्र मार्ग नहीं थे; और उक्त राजपत्र 4 मित्स्वर, 1976 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकारने उक्त प्रारूप के मध्य में जनता में प्राप्त आंखों और सुन्हाओं पर विचार कर लिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 35 द्वारा प्रदान गयी की प्रतीक होते हुए, भारत सरकार (विनियमन और उत्पादन) केन्द्रीय नियम, 1971 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनानी है, प्रथात् :—

1. (1) इस नियम का नाम उत्पाद श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) केन्द्रीय (नियमन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को भाग्य होंगे।

2. संचिद श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) केन्द्रीय नियम, 1971

### (क) नियम 24 में—

(1) उपनियम (i) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथात् :—

"(1)(क) यदि अनुज्ञन के आवेदक के पास किसी अन्य काम के बारे में कोई ऐसी अनुज्ञाति थी, जिसकी अवधि समाप्त हो गई थी, तो यदि अनुज्ञाति अधिकारी की यह राय हो कि उक्त अनुज्ञाति के संबंध में जमा कराई गई प्रतिभूति में से कोई गाँठ आवेदक को लौटाने के लिए नियम 31 के अधीन निवेश दिया जाना है तो वह, आवेदक द्वारा इस प्रयोगजन के लिए प्रत्यक्ष 5-क में आवेदन करने पर, लौटाई जाने वाली राशि का समंजन नई विकल्प संबंधी आवेदनपत्र के सिलसिले में जमा कराई जाने वाली प्रतिभूति में कर सकता है और इस प्रकार के मामले में आवेदक को इस प्रकार का समंजन करने के बाद केवल योग राशि, यदि कोई हो, जमा करने की आवश्यकता है।"

(ii) उपनियम (2) में "प्रतिभूति—निषेप की रकम" शब्दों के स्थान पर "प्रशास्त्रियति, उपनियम (1) के अधीन या उपनियम

(1क) के अधीन जमा कराई जाने वाली प्रतिभूति की रकम या योग रकम" शब्द रखे जाएंगे ;

(ग) नियम 25 के उपनियम (2) में खण्ड (vii) के बाद निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा प्रथात् :—

"(vii) किसी भी ठेकेदार द्वारा प्राप्त 6 बजे में पूर्ण या सांयं 7 बजे के बाद किसी महिला मन्दिर श्रमिक को काम पर नहीं दिया जाएगा। परन्तु यह यह पिटडैड स्तान-गृहों, बाल-सदनों और कैटटीनों में महिलाओं और अनन्तालों तथा छोप्पी-शालीयों में लाक्रियों और नमी के नियाजन को भाग् नहीं होगा।"

(ग) नियम 78 में "मजदूरी-एवं-मस्टर रोल" शब्दों के स्थान पर "मजदूरी एवं मस्टर रोल के रजिस्टर" प्रावृत्त रखे जाएंगे ;

(घ) नियम 78 में उपनियम (1) और (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप नियम रखे जाएंगे, प्रथात् :—

(क) प्रत्येक ठेकेदार एवं प्रत्येक काम के संबंध में जिस पर वह संचिद श्रमिक लगाता है, —

(1) प्रत्यक्ष 16 और प्रारूप 17 में क्रमशः मस्टर रोल और मजदूरी का रजिस्टर रखेगा,

परन्तु यदि मजदूरी की अवधि एक पावाड़ा या उसमें कम हो, तो ठेकेदार प्रत्यक्ष 18 में मजदूरी-एवं-मस्टर रोल का संयुक्त रजिस्टर रखेगा;

(ii) प्रारूप 20, प्रारूप 21 और प्रारूप 22 में क्रमशः नुकसान या दूर्जन संबंधी कटौतियों का रजिस्टर, जूरानों का रजिस्टर तथा अधिनियमों का रजिस्टर रखेगा ;

(iii) प्रारूप 23 में अतिकालिक काम का रजिस्टर रखेगा, जिसमें वह अनन्तालिक काम यदि कोई हो, के संबंध में अतिकालिक काम के पटों तथा उसके निए दो गई मजदूरी का अधिक्षेत्र रखेगा।

(ह) प्रत्येक ठेकेदार, जहाँ मजदूरी की अवधि एक सप्ताह या उससे अधिक है मजदूरी के भूगतान से कम से कम एक दिन पहले कमन्चारों को प्रत्यक्ष 19 में मजदूरी पर्चियां जारी करेगा—

(ग) प्रत्येक ठेकेदार यथास्थिति मजदूरी के रजिस्टर या मस्टर रोल-एवं-मजदूरी रजिस्टर में कमन्चार से संबंधित प्रतिष्ठियों के सामने उसके हस्ताक्षर कराएगा या अंगूठे का नियान लगवाएगा और ये प्रतिष्ठियों ठेकेदार या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा प्रमाणीकृत की जाएंगी और नियम 73 में उल्लिखित रीत से प्रधान नियोजक के प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा भी सम्मत प्रधानित की जाएंगी।

(घ) ऐसे स्थानों की बाबत, जो मजदूरी संदाय अधिनियम, 1936 (1936 का 4) और उसके अधीन बनाए गए नियमों, या न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) या उसके अधीन बनाए गए नियमों द्वारा शासित होते हैं, किसी ठेकेदार द्वारा नियोजक के रूप में उक्त अधिनियमों या उनके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन रखे जाने वाले निम्नलिखित रजिस्टरों तथा अधिनियमों को इन नियमों के अधीन ठेकेदार द्वारा रखे जाने वाले रजिस्टर तथा अधिनियम समाजा जाएगा, प्रथात् :—

(क) मस्टर रोल;

(ख) मजदूरी-रजिस्टर;

(ग) कटौतियों का रजिस्टर;

(घ) अतिकालिक रजिस्टर;

- (अ) जुमानी का रजिस्टर -  
 (ब) प्रग्निमों का रजिस्टर ;  
 (ग) मजदूरी पर्ची ;  
 (इ) प्राक्षय 4 में पद 10 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखो जाएँगी, अधीत् :--

"10 ऐसे प्रतिलिपि निशेप यदि कोई द्वी का ब्योरा, जिसके समंजन के लिए प्राप्ताने की गई है जिसमें खजाने की रसीद का नम्बर तथा तारीख सभी है"।

"जमा कराई गई प्रतिभूति की रकम या नियम 31 के अधीन वापस लौटाई जाने वाली राशि, यदि कोई द्वी, के समंजन के बाद गोप रकम यदि कोई हो खजाने की रसीद का नम्बर और तारीख सहित"।

- (ब) प्राक्षय 5 के बाद निम्नलिखित प्राक्षय ग्रन्थ स्थापित किया जाएगा, अधीत् :--

"प्राक्षय 5 क

[नियम 24 (क) देखिए]

प्रतिभूति निशेप के समंजन के लिए आवेदनपत्र

ठेके दार का नाम	अनुशासित की संख्या तथा	पिछली अनुशासित की प्रवधि
स्थान पत्रा	तारीख	समाप्त होने की तारीख

(1)	(2)	(3)
क्या ठेकेदार की	पिछली अनुशासित के बारे में	पिछले प्रतिभूति निशेप की
अनुशासित	प्रतिभूति निशेप की खजाने	राशि
निलम्बित या	की रसीद की संख्या तथा	
रह की गई थी	तारीख	
(4)	(5)	(6)

नई संविदा के	जिम स्थापन के संबंध में नई	प्रधान नियोजक का नाम
संबंध में अपे-	अनुशासित के लिए प्राप्ताना	अपना।
क्षित शेष प्रति	की गई है, उसके पासी-	
भूति निशेप	करण के प्रमाणपत्र	
(यदि कोई	की संख्या और तारीख	
1) की खजाने		
की रसीद की संख्या		
और तारीख		
(7)	(8)	(9)
नई संविदा का		टिप्पणिया
ब्योरा		
10	11	
स्थान :		
तारीख :		
		आवेदनक के हस्ताक्षर"

- (ज) प्राक्षय 6 में

- (i) "अनुशासित" नक प्रवृत्त रहेगी" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अधीत् :--  
 "2. यह अनुशासित (यहां प्रधान नियोजक का नाम भरें) के स्थान में,  
 (यहां काम का स्थान लिखें) स्थान पर,  
 (यहां कार्य का स्वरूप लिखें) कार्य करने के लिए है।

3 यह अनुशासित (यहां तारीख लिखें) तक प्रवृत्त रहेगी।

(ii) उपबन्ध में मद 8 के बाद, निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अधीत् :--

"9. जिस परिसर में संविदा कार्य किया जा रहा है, वहां इस अनुशासित की एक प्रतिलिपि प्रमुख रूप से प्रदर्शित की जाएगी"।

(ज) प्राक्षय 11 में, उपबन्ध में, मद 6 के बाद, निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी :--

"7 जिस परिसर में संविदा कार्य किया जा रहा है, वहां इस अनुशासित की एक प्रतिलिपि प्रमुख रूप से प्रदर्शित की जाएगी"।

(झ) प्राक्षय 16, 17 और 18 में "[नियम 78(2)(क) देखिए]" कोष्ठकों, शब्द, प्रांकों और प्रधार के स्थान पर "[नियम 78(1)(क) (1) देखिए]" कोष्ठक, शब्द प्रांक तथा प्रधार रखे जाएंगे ;

(ट) प्राक्षय 20, 21 और 22 में "[नियम 78(2)(ख) देखिए]" कोष्ठकों, शब्द, प्रांकों और प्रधार के स्थान पर "[नियम 78(1)(ख) (2) देखिए]" कोष्ठक, शब्द प्रांक तथा प्रधार रखे जाएंगे ;

(घ) प्राक्षय 23 में "[नियम 78(2), (ग) देखिए]" कोष्ठकों, शब्दों प्रांकों और प्रधार के स्थान पर "[नियम 78(1)(क) (222) देखिए]" कोष्ठक, शब्द प्रांक तथा प्रधार रखे जाएंगे।

[सं. एस-16011/4/75-एन० डब्ल्यू]  
के० डॉ० गांधी, प्रधार सचिव

New Delhi, the 12th July, 1978

**G.S.R. 948.**—Whereas the draft of certain rules further to amend the Contract Labour (Regulation and Abolition) Central Rules, 1971, were published as required by sub-section (1) of section 35 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (37 of 1970) at pages 2981 and 2982 of the Gazette of India Part II Section 3, Sub-section (ii), dated the 4th September, 1976 under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. G.S.R. 3241 dated the 13th August, 1976 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of forty five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the Public on the 4th September, 1976 ;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 35 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Contract Labour (Regulation and Abolition) Central Rules, 1971, namely :—

1. (1) These rules may be called the Contract Labour (Regulation and Abolition) Central (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Contract Labour (Regulation and Abolition) Central Rules, 1971,—

(a) in rule 24—

(i) after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(IA) where the applicant for the licence was holding a licence in regard to another work and that licence had expired, the licensing officer, if he is of the view that any amount out of the security deposited in respect of that licence is to be directed to be refunded to the applicant under rule 31, may, on an application made for that purpose in Form VA by the applicant adjust the amount so to be refunded towards the security required to be deposited in respect of the application for the new licence and the applicant need deposit, in such a case, only the balance amount, if any, after making such adjustment".

(ii) in sub-rule (2) for the words 'The amount of security deposit', the words 'The amount of security, or the balance amount, required to be deposited under sub-rule (1) or, as the case may be, under sub-rule (IA) shall be substituted ;

(b) in rule 25, in sub-rule (2), after clause (vii), the following clause shall be inserted, namely :—

"(viii) no female contract labour shall be employed by any contractor before 6.00 a.m. or after 7.00 p.m. Provided that this clause shall not apply to the employment of women in pithead baths, creches and canteens and as to mid wives and nurses in hospitals and dispensaries."

(c) in rule 73, for the words 'Wage-cum-Muster Roll', the words 'Register of Wages-cum-Muster Roll' shall be substituted ;

(d) in rule 78, for sub-rules (1) and (2), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

"(1)(a) Every Contractor shall in respect of each work on which he engages Contract labour,—

(i) maintain a Muster Roll and a Register of Wages in Form XVI and Form XVII respectively;

Provided that a combined Register of Wage-cum-Muster Roll in Form XVIII shall be maintained by the contractor where the wage period is a fortnight or less ;

(ii) maintain a Register of Deductions for damage or loss, Register of Fines and Register of Advances in Form XX, Form XXI and Form XXII respectively;

(iii) maintain a Register of Overtime in Form XXIII recording therein the number of hours of, and wages paid for, overtime work, if any.

(b) Every contractor shall, where the wage period is one week or more, issue wage slips in Form XIX, to the workmen at least a day prior to the disbursement of wages ;

(c) Every contractor shall obtain the signature or thumb impression of the worker concerned against the entries relating to him on the Register of Wages or Muster Roll-cum-Wages Register, as the case may be, and the entries shall be authenticated by the initials of the contractor or his authorised representative and shall also be duly certified by the authorised representative of the principal employer in the manner provided in rule 73.

(d) In respect of establishments which are governed by the Payment of Wages Act, 1936 (4 of 1936) and the rules made thereunder, or minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) or the rules made thereunder, the following registers and records required to be maintained by a contractor as employer under those Acts and the rules made thereunder shall be deemed to be register and records to be maintained by the contractor under these rules, namely :—

(a) Muster Roll ;

(b) Register of Wages ;

(c) Register of Deductions ;

(d) Register of Overtime ;

(e) Register of Fines ;

(f) Register of Advances ;

(g) Wage slip" ;

(e) in Form IV for item 10, the following items shall be substituted, namely :—

"10. Particulars of security deposit, if any, requested to be adjusted, including Treasury Receipt number and date.

"The amount of security or balance, if any, after adjustment of amount to be refunded under rule 31, if any, deposited with Treasury Receipt number and date".

(f) after Form V, the following Form shall be inserted, namely :—

### "FORM VA

[See Rule 24(IA)]

#### Application for adjustment of Security Deposit

Name and address of the Contractor	No. and date of licence	Date of expiry of previous licence
(1)	(2)	(3)
Whether the licence of the contractor was suspended or revoked.	No. and date of the treasury receipt of security deposit in respect of the previous licence.	Amount of previous security deposit.
(4)	(5)	(6)
No. and date of treasury receipt of the balance security deposit, if any, required on the fresh contract.	No. and date of certificate of registration of the establishment in relation to which the new licence is applied for.	Name and address of the principal employer.
(7)	(8)	(9)
Particulars of fresh contract		Remarks
(10)		(11)

Place :

Date :

Signature of applicant" ;

#### (g) in Form VI

(i) for the words "The Licence shall remain in force till—" the following shall be inserted, namely :—

"2. This licence is for doing the work of (nature of work to be indicated) in the establishment of—(name of principal employer to be indicated) at—(place of work to be indicated).

3. The licence shall remain in force till—(date to be indicated)" ;

(ii) in the Annexure, after item 8, the following item shall be inserted, namely :—

"9. A copy of the licence shall be displayed prominently at the premises where the contract work is being carried on";

(b) In Form XI, in the Annexure, after item 6, the following item shall be inserted namely :—

"7. A copy of the licence shall be displayed prominently at the premises where the contract work is being carried on";

(i) in Forms XVI, XVII and XVIII, for the brackets, words, figures and letter "[see rule 78(2)(a)]", the brackets, words, figures and letter [see rule 78(1)(a)(i)] shall be substituted;

(j) in Form XIX, for the brackets, words, figures and letter "[see rule 78(2)(b)]" the brackets, words, figures and letter "[see rule 78(1)(b)]" shall be substituted;

(k) in Form XX, XXI and XXII, for the brackets, words, figures and letter "(see rule 78(2)(d))" the brackets, words, figures and letter "[see rule 78(1)(a)(ii)]" shall be substituted.

(l) in Form XXIII, for the brackets, words, figures and letter "[see rule 78(2)(c)]" the brackets, words, figures and letter "[see rule 78(1)(a)(iii)]" shall be substituted.

No. S-16011/4/75-LW]

K. D. GANDHI, Under Secy.

### वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1978.

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 949.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के तियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग)

को अधिसूचना सं० 187/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 26 अगस्त, 1972 में निम्नलिखित मंशोधन करती है, प्रथास :—

उक्त अधिसूचना से उपायद मारणी में, कम सं० 2 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाब, निम्नलिखित मन्त्रस्थापित किया जाएगा, प्रथात् :—

1	2	3
"3 डिब्बाबन्त केकड़ा जो निर्यात निरीक्षण अभिकरण द्वारा निर्यात मांस (खालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 के अधीन अनिवार्य क्वालिटी नियन्त्रण और पोत पर चढ़ाने से पूर्व निरीक्षण के प्रयोगन के लिए लिया जाए।"		

[सं० 143/78-क०उ० म०/फा० मं० 10/8/78-सी एक्स 1]

बी० प्रसाद, अवर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd, July, 1978

### CENTRAL EXCISES

G.S.R. 949.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 187/72-Central Excises, dated the 26th August, 1972, namely :—

In the Table annexed to the said notification, after S. No. 2 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

(1)	(2)	(3)
"3. Canned crab meat		Drawn by the Export Inspection Agency for the purpose of compulsory quality control and pre-shipment inspection under the Export (Quality Control Inspection) Act, 1963."

[No. 143/78-CE/F. No. 10/8/78-CX.I]

B. PROSAD, Under Secy.